भरमाने वाली आत्मायें

मित्रों, सुप्रभात। इस प्रातः यहां आकर प्रसन्न है, और यह जानते हुए कि दिखाई दे रहा है, आप सब यह विश्वास करते हैं कि आज प्रभु हमारे साथ हैं, हमें इसकी छोटी सी झलक दे रहा है, कि आज यहां प्रातः की सभा आराधनालय में अधिक गर्म ना होगी। और अब हम...

2 मैं विश्वास करता हूं, कि वहां बालक... क्या बालकों को उनकी कक्षा में भेज दिया गया है, भाई नेविल? मैंने कुछ छोटे बच्चों को देखा, मुझे थोड़ा अचरज हुआ कि क्या उन्हें वापस उनकी कक्षाओं में उनके—उनके स्थान पर भेज दिया गया है, उनकी संडे स्कूल के कमरे में।

3 अब, मेरे लिए प्रार्थना करें। मैंने एक महान निर्णय लिया है, मुझे यह पिछली रात्रि में करना था, और आज करना था। और कलीसिया प्रार्थना करें। मेरी—मेरी अगली सभा जो होने वाली है, यह जर्मनी की लोहे की दीवार के पास होगी, और यह थोड़ा भावुक है। और मेरे लिए प्रार्थना करें। और इसलिए यह है, हम सीधे ही जर्मन में बड़े क्रिकेट के स्टेडियम में इसे आरंभ कर सकते हैं, जिसे हिटलर ने युद्ध से थोड़ा पहले बनाया था, यह अच्छा बड़ा स्थान, जिसमें आठ हज़ार लोग बैठते है। और हम सीधे उसे दस दिन के लिए ले सकते है। और इसलिए हम ठीक वहां पर आरंभ करने की आशा कर रहे हैं, और तब फिर ला सेला लोरीन फ़्रांस में, फिर बरलिन में, वापस... मेरा अर्थ बरलिन उसके और—और फ्रांस के बीच में।

4 तब हम वापस आकर, प्रभु ने चाहा तो शिकागो की बेदारी सभा। मैं सोचता हूं, पांचवें, छठे, सातवें, आठवें और नवें, जो मेरा भाग शिकागो में उस—उस स्वीडन गिर्जे की सभा आरंभ होगी। और तब वहां श्री बोज आप में से कुछ शिकागो के आसपास से है, उनकी बेदारी सभा है जो कि अगले... पहली अगस्त, या पहली सितंबर में आरंभ होने जा रही है, यह स्वीडन में है। और मैं यह जानकर प्रसन्न हूं कि उनका मत मेरे लिए है, और यह विश्वस्तर और सत–प्रतिशत था कि मैं वहां जाऊं। मैं इससे प्रसन्न था, परंतु मुझे या तो वहां जाना है या अब यहां होना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि प्रभु मेरी अगुवाई उसी स्थान पर करेगा जहां पर अधिक प्राण बचेंगे, और परमेश्वर के राज्य के लिए सबसे अच्छा किया जाएगा। अब, उसकी

सभा वहां है और—और वे स्वीडन में हूं, और उसने कहा की हम पच्चीस, पैतीस हजार लोगों से बेदारी सभा आरंभ करेंगे, और उनमें से बहुत से लोग बचे हुए नहीं है।

5 और तब यहां जर्मनी में, उनके पास स्टेडियम है, जिसमें आठ हज़ार लोग बैठते हैं। ठीक है, हम स्विजरलैंड में, जो हमने अभी छोड़ा है, वहां हमारी बहुत अच्छी सभाएं हुई थी, और संभवत आप में से बहुतों ने अभी तक नहीं सुना होगा। प्रभु ने हमें जबरदस्त आशीषित किया, जूरिक स्विजरलेंड में—में—में, पांच यात्रियों में, पच्चास हज़ार का मत परिवर्तन हुआ।

6 और इसलिए, भाई जैक शुलर, आप में से बहुत उसे जानते हैं वह मैथोडिस्ट है, वह बूढ़े बोब शुलर का लड़का है। अब वे बेलफास्ट में है और—और वे कहते हैं, उन्होंने सुसमाचार के लिए, सब कुछ, उलट–पुलट कर दिया है। और जो बिली ग्राहम की सभा में हुआ था उससे भी अधिक। जैक बहुत अच्छा नवयुवक है, वह जोश और प्रेम से भरा हुआ है। और वह—वह इस पर इतना लग्न वाला है यहां तक कि मैं विश्वास करने लगा कि यह प्रभु का एक महान सेवक है। और भाई शुलर के लिए प्रार्थना करें। और—और क्या जैक शुलर, और जैक मेंक आर्थर भी उसके साथ है। भाई जैक मेंकआर्थर भी एक बड़े प्रचारक है। और वहां की कलीसिया के लोगों ने कहा यह महान बेदारी थी, ऐसी जो कि कभी आयरलैंड में नहीं हुई। इसलिए हम बहुत... उन लोगों के लिए—उन लोगों के लिए प्रतिदिन प्रार्थना में जाते हैं। वे दोनों नवयुवक है, लगभग चालीस के नीचे, मेरा अनुमान है, या परिवारों में है, और आदि–आदि, और अच्छे पक्के सुसमाचार प्रचारक, और हम उनसे प्रेम करते है।

7 और अब, मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मुझे नहीं भूलेगे, और—और परमेश्वर अब मुझे ठीक निर्णय लेने देगा। एक समय ऐसा होता है जहां आप नहीं जानते हैं कि किधर मुड़े। क्या आप कभी ऐसे स्थानों पर आए हैं? मैं विश्वास करता हूं कि पौलुस एक बार ऐसे स्थान पर था, क्या नहीं था? यह दो सीधी–सीधी स्थितियों के बीच में था। और जब वह जा रहा था, क्यों, उसने एक दूत को दर्शन में देखा, "इधर मकिदुनिया में जाओ।" इसलिए अब भी प्रभु के पास उसके दूत है, क्या नहीं है? यदि मैं अपने ह्रदय में पौलूस के सामान नम्र बन जाऊं।

8 और अब, आज रात्रि, स्मरण रखें, सुसमाचार की सभा यहां आराधनालय में है, हर कोई आए। आप जो लुईसविले के आसपास, मैं ओपन डोर आराधनालय में आज रात्रि कुछ घंटों के लिए बोलूंगा, साढ़े सात से साढ़े नौ, तक भाई कोबल्स के यहां। मैं यहां दो बार आने वाला था। और वह तो इतना भला व्यक्ति है, और उसने बुलाया। और भाई कोबल्स, यह बहुत अच्छा सज्जन व्यक्ति है। आप, मुझे निश्चय है कि आप भी जानते हैं, बहुत अच्छा भाई, और इस प्रकार से मैं उन्हें मना ना कर सका। प्रार्थना करें। सब बातों के ऊपर प्रार्थना और प्रार्थना करें, कि परमेश्वर हमें उस—उस सही निर्णय को लेने देगा।

9 अब, इससे पहले कि हम सुसमाचार संदेश आरंभ करें, हमारे पास है प्रात: है, हमें छोटे बालकों को समर्पित करना है। और यहां मेरे पास एक छोटा बालक भी प्रभु के समर्पण के लिए है। अब, बहुत सी बार बहुत सी कलीसियाओ में...

क्या पीछे आप ठीक से सुन सकते है? क्या आप सुन सकते हैं, क्या यह ठीक है? यहां पर यह पंखे, आप अपने आप को नहीं सुन सकते। नहीं, यह ठीक है। मुझे भय है कि इसके बिना मैं नष्ट हो जाऊंगा।

10 इसलिए कभी–कभी वे—वे छोटे बालकों पर आराधनालय में छिड़काव करते हैं, जब वे बहुत छोटे से बालक होते है। और, यह ठीक है कि बालकों के, क्रिसनिण या "बपतिस्मे करने" के द्वारा यह कैथोलिक कलीसिया से आया है जैसा कि वे उन्हें जब वे बहुत छोटे होते हैं तब बुलाते है। मैथोडिस्ट कलीसिया इस बच्चों के बपतिस्मे को बाहर ले आई, और बहुत से और, और मैं सोचता हूं और बहुत कुछ। मैं सोचता हूं कि नाजरिन और पुराने मैथोडिस्ट के बीच में, यह बालकों के बपतिस्मे की भिन्नता है और तब छोटा सा अलगाव और आदि–आदि। परंतु, जो भी विधि है, यह नहीं, मैं नहीं सोचता कि यह बहुत महत्व रखता है। क्योंकि, अंततः, मैं सोचता हूं कलवरी सब चीजें दूर कर देती है, वही सब के लिए, यह सही है, क्योंकि यीशु वहां छोटे बालको और संसार को बचाने के लिए मरा।

11 और एक छोटे बालक के लिए इस से कोई मतलब नहीं कि उसके माता–पिता किस प्रकार के हैं, वे कितने पापी है इससे कोई अंतर नहीं पड़ता, क्योंकि यीशु मसीह का लहू उसे शुद्ध करता है, देखा, और परमेश्वर

का यह मेम्ना, जो कि संसार के पापों को उठा लिए जाता है। वह बालक प्रायश्चित नहीं कर सकता। वह नहीं जानता कि कैसे प्राश्चित करें। वह यहां अपने किसी कारण से नहीं है। वह नहीं बता सकता कि वह किस कारण से यहां है। परंतु परमेश्वर ने उसे यहां भेजा है, और यीशु मसीह का लहू उसे जिस क्षण वह इस संसार में आता है शुद्ध करता है। और यह उसकी उत्तरदायित्व की आयु तक, जब तक कि वह सही और गलत नहीं समझता है, तब तक है और तब वह क्या करता है यह जाने कि उसने क्या गलत किया है उसका प्रायश्चित करें। यह ठीक बात है। इसलिए, उनमें से कुछ उन पर छिड़काव करते है, और सोचते हैं कि वे स्वर्ग नहीं जाते।

12 एक शिक्षा है जो यह कहती है यदि बालक पवित्र आत्मा वाले माता–पिता से उत्पन्न होता है, तो फिर बालक स्वर्ग जाएगा; परंतु, यदि ऐसा नहीं है, तो उसका कुछ नहीं है, बालक फिर नहीं है। यह एक जबरदस्ती त्रुटी है। इससे क्या अंतर पड़ता है कि माता–पिता पवित्र आत्मा पाए हुए हैं या नहीं? यह केवल काम इच्छा है, और ऐसे ही बालक उत्पन्न हुआ है। इसलिए, कुल मिलाकर "पाप में उत्पन्न हुआ दृष्टता में पला बढ़ा, संसार में झूठ बोलता हुआ आया।" यह, उसके लिए पवित्र वचन से है।

13 इस प्रकार, और तब यीशु मसीह का लहू बालक को शुद्ध और छुड़ाने के लिए है। यदि वह मर गया तो वह सिद्ध रूप से परमेश्वर की उपस्थिति में जाता है, यदि वह संसार में बहुत अधिक पापी माता–पिता के द्वारा उत्पन्न हुआ, जब तक वह उत्तरदायित्व की आयु तक नहीं आता जहां पर वह सही और गलत ना जाने। और तब यह क्या करता है, तब से इसके लिए उसकी क्षमा होनी है। तब से उसे अपने ही प्राश्चित के द्वारा मांगना है। परंतु जब वह बालक है...

14 अब, जिस प्रकार से हम अनुकरण करना चाहते हैं, यह आराधनालय ही है। संसार में केवल एक स्थान है जहां पर, मैं शिक्षा का, यहां आराधनालय में प्रचार करता हूं, क्योंकि यह हमारी कलीसिया है। और हम यहां शिक्षा का प्रचार लोगों को ठीक रखने के लिए करते है। दूसरे व्यक्ति अपनी कलीसियाओ में जो, वे विश्वास करते हैं प्रचार करते है। और वे मेरे भाई है, और हो सकते हैं, हम थोड़े भिन्न हो, परंतु फिर भी हम एक से भाई है। और परंतु यहां इस आराधनालय में, हम वह प्रचार करते हैं जो हम सोचते हैं कि वचनानुसार शिक्षा है। और, उसमें हम बालकों के

समर्पण को देखते हैं, जिसे हम समर्पण कहते है, बाईबल में केवल एक ही समय था जो कि हम देख सकते, या जहां कि नए नियम में जहां कभी बच्चों को कुछ करना था, या मसीह को कोई धार्मिक अनुष्ठान करना था कि, उसने उन्हें अपने हाथों में लेकर और अपने हाथ उन पर रखें और उन्हें आशीष दी, और कहा, "बालकों को मेरे पास आने से दो। उन्हें मना ना करो क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसो का ही है।"

15 अब, देखिए जैसा कि हम समझते हैं, हम यहां पर उस कार्य को आगे बढ़ाएं रखने के लिए है जिसे वह पूरा करने—करने आया था। कलवरी पर उसकी मृत्यु, वह हमारे साथ था और वह वहां से गया... परमेश्वर से निकल कर संसार में आया, वापस परमेश्वर में वापस चला गया, या संसार से वापस परमेश्वर में चला गया और फिर से पवित्र आत्मा के रूप में आया, और अब हमारे साथ है, हम में है, संसार के अंत तक, और अपनी कलीसिया में वही कार्य कर रहा है जो कि उसने तब किये थे जब वह पृथ्वी पर था। और, इसके द्वारा, हम अपने बालकों को एक के बाद दूसरे को सेवकों के लेते है, और वे उन पर प्रार्थना करते और अपने हाथों को रखते और परमेश्वर को समर्पित करते है। एक छोटा सा संस्कार यह कहने के लिए कि हम उसकी सराहना करते हैं जो प्रभु ने किया जो प्रभु ने हमारे लिए और बालकों के लिए किया।

16 अब, यदि आपके छोटे बालकों पर छिडकाव हुआ है, या आप की कलीसिया में जो कुछ भी हुआ हो, तो सोचिए। हम उसके विरोध में कुछ नहीं कहते है। वह ठीक है। परंतु वचन के अनुसार हम केवल एक स्थान पाते हैं, कि जहां यीशु ने उन्हें स्वयं आशीषित किया। प्रभु की इच्छा हुई तो मैं उसे वचन में—में से पढ़ूंगा। संत लुका में हम इसे पाते है... मेरा विश्वास है कि ये—ये दसवां अध्याय और 13वे पद से आरंभ करके।

> और *फिर लोग बालकों को उसके पास लाने लगे, कि वह उन पर हाथ रखे; पर चेलों ने उनको डांटा जो उन्हें लेकर आये।*
>
> *यीशु ने यह देख कर और बहत ही क्रुध होकर, और उनसे कहा, बालकों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना ना करो: क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसो ही का है।*

मैं तुमसे सच कहता हूं, कि जो कोई परमेश्वर के राज्य को बालक की नाई ग्रहण ना करें, वह उसमें कभी प्रवेश न करने पाएगा।

और उसने उन्हें गोद में लिया, और *उन पर हाथ रखकर उन्हें आशीष दी।*

17 यह प्यारा है ना? उसने कहा, "अब, बालकों को मेरे पास आने से ना रोको। उन्हें मना ना करो, क्योंकि ऐसो ही का, क्योंकि ऐसे छोटे बालकों का परमेश्वर का राज्य है।" और उसने उन्हें गोद में लिया और उन्हें आशीषित किया।

18 अब, हम इस प्रात: को कितना पसंद करते, यदि यीशु आज व्यक्ति होकर इस मंच पर यहां होते, हम कहते, "प्रभु, क्या आप हमारे बालक को आशीषित करेंगे? " ओह, क्या ही... क्योंकि हमारी मानविय आंखें और हमारे ह्रदय इसे देखने की इच्छा रखते है। परंतु जो भी है वह यहां है क्योंकि उसने हमें यह करने का अधिकार दिया है। और, जैसा कि हमने किया है, वैसे ही वह मान्यता देता है। जिसको वह भेजता है, हम उसे ग्रहण करते हैं तो हम उसे ग्रहण करते है जिसने उसे भेजा है। इसलिए, आज प्रातः वह यहां है। और यदि बहन ग्रेटी यहां प्यानो पर आएगी और हमारा पुराना गीत बजायेगी जिसे हम बहुत पहले गाया करते थे, ये, "उन्हें भीतर लाओ, छोटो–छोटो को यीशु के पास लाओ।" मेरा विश्वास है यह यहीं कहीं पुस्तक में है। मैं निश्चित नहीं हूं। "छोटे–छोटे बालकों को यीशु के पास लाओ।" और यदि आपके पास छोटा बालक है, एक बालक जो कि समर्पित ना किया गया हो, और आज प्रातः आप उसे समर्पित करना चाहते हैं, तो ऐसा करके, हमें क्यों ना प्रसन्नता होगी।

19 क्या यहां कोई सेवक प्रचारक इस भवन में है, जो कि यहां आना और हमारे साथ खड़ा होना चाहता है, जबकि हम इन बालक को प्रभु को समर्पित करते है? आप आते हैं तो हम आपके साथ होकर प्रसन्न हो होंगे। ठीक है, क्या यह पुस्तक में है? भाई नेविल, आपको मिला? यह इसमें नहीं है। ठीक है कितनों को आता है, *उन्हें भीतर लाओ?* ठीक है, अब इसे गाये। सब एक साथ मिलकर इसे गायेंगे, जबकि माताएं अपने बालक को ला रही है। ठीक है। अच्छा है।

... उन्हें भीतर, उन्हें भीतर लाए,
होने पाप के क्षेत्रो में से भीतर लाए;
उन्हें अंदर लाओ, उन्हें अंदर लाओ,
भटके हुए को यीशु के पास लाए।

उन्हें अंदर लाओ, उन्हें अंदर लाओ,
उन्हें पाप के क्षेत्रो से अंदर लाओ;
उन्हें अंदर लाओ, उन्हें अंदर लाओ,
छोटे बालकों को यीशु के पास लाए।

20 क्या एक क्षण के लिए हम अपने सिरो को झुकाएंगे। हमारे स्वर्गीय पिता, इस प्रातः वेदी के चारों ओर माताए और पिता अपने–अपने बालकों को अपनी–अपनी गोदी में लेकर खड़े है, क्योंकि तूने उन्हें अपने अनुग्रह में होकर उन्हें दिए है। वे इनके लिए बहुत ही धन्यवादित है, प्रभु, और आज प्रातः वे उन्हें यहां ऊपर वेदी पर ला रहे हैं, कि प्रभु के भवन में, उन्हें समर्पित करें, उनके जीवन तुझे दे। तूने दिया है। और परमेश्वर, हम प्रार्थना करते है, कि आप उनमें से प्रत्येक को पोषित और आशीषित करेंगे। उनकी अगुवाई करें, और परमेश्वर के सुरक्षा करने वाले दूत प्रत्येक पर अपनी दृष्टि रखें। उन्हें प्रसन्नता और आनंद का लंबा जीवन दे। और होने दें कि आने वाले कल के, वे परमेश्वर के पुरुष और महिलाएं बने, यदि कोई आने वाला कल है।

21 परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप आप प्रचारक भविष्यवक्ता और शिक्षक बनाएंगे उन बालकों के झुंड में से जो यहां वेदी के चारों ओर इस प्रात: है। और जब हम बूढ़े हो जाए और आगे न बढ़ सके, कोई इनमें से हमें एक से दूसरे स्थान ले जाया करें, होने दे कि हम इस योग्य हो सके तो आज यहां है उनके द्वारा सुसमाचार का प्रचार सुन सके। प्रभु, इसे प्रदान करें। और किसी महिमा वाले दिन जब यह पूरा हो जाए हमारे जीवन पूरे हो जाए, तो यह माता पिता जो वेदी के चारों ओर है। हम पुराने वाले याकूब के समान हो जब उसने अपने सारे बालकों को आशीषित किया और बताया कि उनका अंतिम दिन में क्या अंत होगा। तब उसने ऊपर देख कर, कहा, "तुम जानते हो, मुझे अपने लोगों के साथ मिलना है।" और किसी महिमा वाले दिन, वह और उसकी कुल संतानों को, एक अच्छे देश में एकत्र होना है। कोई आश्चर्य नहीं कि बालाम ने कहा, "मेरा भी अंत उसके समान हो।"

परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप यह सारी आशीषे इन अभिभावकों को प्रदान करेंगे।

22 और अब जैसे कि हम इन पर हाथ रखने जाते हैं कितना—कितना शानदार... और नम्र आपने यह बनाया है, प्रभु, कि हम इस पृथ्वी के मनुष्यो को बालको पर आपके नाम से आशीष देने का यह विशेषधिकार प्राप्त होगा, यह जानते हुए, कि, हम जो मांगते हैं हमें दे दिया गया है। जैसा कि हम उन्हें आशीषित करने जाते है, कि यीशु ना दिखने वाला व्यक्ति सर्वशक्तिमान समीप खड़ा हो और जब हम अपने हाथ उन पर रखते हैं तो उनमें से प्रत्येक को आशीषित करें जब उन्हें उसे समर्पित करते है। क्योंकि हम यह उसके नाम में मांगते है। आमीन।

23 भाई ग्रीन फ्रंक के पास, तीन छोटे–छोटे बालक प्रभु को समर्पित करने के लिए है।

[टेप पर खाली स्थान। भाई ब्रंहम बालको को समर्पित करते है—सम्पा।]

... थोड़ा—थोड़ा पास आए, वहां नॉर्थलैंड में अपने इस बालक के लिए, मुझे से प्रतिज्ञा की थी। पिता, आपकी आशीषे इस पर।

जोजफ, मेरे लड़के, मैं तुम्हें परमेश्वर को देता हूं। और तुम्हारा जीवन एक आशीष हो। जोसफ, ऐसा हो तुम एक भविष्यवक्ता बनो। परमेश्वर का अनुग्रह तुम्हारे साथ बना रहे। प्रभु यीशु मसीह तुम्हारे पिता का परमेश्वर तुम्हें आशीषित किये रहे, तुम्हारा जीवन दूसरों के लिए एक आशीष हो।

यीशु मसीह के नाम में, मैं इसे आशीषित करता हूं। आमीन।

[खाली टेप। भाई ब्रंहम बालको को समर्पित करते है—सम्पा।]

24 बालको से प्रेम करना? इन छोटे में कुछ है कि प्रत्येक मां अपने बालकों को आशीषित कराना चाहती है।

इसी प्रकार आज प्रात: हमारा स्वर्गीय पिता हम बड़ों को भी। वह हम में से प्रत्येक को आशीषित कराना चाहता है। वह हमें किसी निश्चित चीज के सामने उपस्थित करता है, जैसे कि यह कहते हुए प्रदान करता है, "मेरे बालक, मैं तुम्हें आशीषित करना चाहता हूं।" यह कितना अद्भुत है? इसलिए हम ऐसे स्वर्गीय पिता की सराहना ऐसे कर सकते है।

25 अब, आप जानते हैं छोटे बालकों को आशीषित करने में, आप जानते है, अभी उस दिन मैं एक, यहां एक पवित्र वचन पढ़ रहा था, यहीं कहीं पुराने नियम में, एक महान बात पढ़ते हुए जिसकी मैंने—मैंने निश्चय सराहना की। यह यहां पर है, ठीक यहाँ। "और नातान ने दाऊद से कहा, 'जो तेरे हृदय में है तू वह कर क्योंकि परमेश्वर तेरे साथ है।'" समझे? "कर जो भी तेरे हृदय में है।" और मसीही मित्रों, मैंने—मैंने बहुत सी बार यह पाया है, कि मैंने बातें बोली है यह ना जानते हुए कि मैं क्या कहूंगा, और देखा कि वह घटित होगी। जो आप कहते है!

26 एक बार यह कहा गया, यीशु पहाड़ पर से उतर कर आया और उसने एक पेड़ देखा जिस पर कुछ नहीं था, केवल पत्तियां थी, और उस पर कोई फल नहीं था, और उसने कहा, "अब से कोई मनुष्य तेरा फल ना खाएगा।"

27 और अगली प्रातः वहां से निकलते हुए चेलों ने देखा, पत्तियां सूख गई। उसने कहा, "देखो पेड़ कितनी जल्दी सूख गया।"

28 यीशु ने कहा, "परमेश्वर पर विश्वास रखो; इसलिए तुम जो भी चाहो, जब तुम प्रार्थना करते हो, विश्वास करो कि तुम्हें यह मिल गया और तुम्हें मिल जाएगा। और जो कुछ भी तुम कहो, तुम्हें मिलेगा जो तुम ने कहा है।" इस पर विचार करो। ओह! और शायद आज, परमेश्वर का महान पवित्र आत्मा यहां वेदी पर खड़ा है, आप कहते क्या... इसे सजा हुआ नहीं होना चाहिए। क्या इसे कोई बड़ा सावधानी से बना हुआ स्थान नहीं होना चाहिए।

29 एक बार याकूब ने एक पत्थर लिया और उस पर अपना सिर रखा, और आज भी वह रोटी के पत्थर। या, रोटी की चट्टान के रूप में जाना जाता है, कि इस पृथ्वी के महान मनुष्य अब भी इसे चारों ओर से संभाले हुए है, क्योंकि राजा लोग इस पत्थर के ऊपर प्रतिष्ठित किए गए, केवल एक साधारण सी चट्टान जो मैदान में पड़ी थी।

बेतल एक दूसरे के ऊपर रखें हुए पत्थरों का ढेर था, और वह परमेश्वर का घर बन गया, परमेश्वर का निवास स्थान बना गया। याकूब ने कहा, "यह परमेश्वर के घर को छोड़ और कोई स्थान नहीं हो सकता।" वह केवल पत्थरों का ढेर का जो कि एक दूसरे के ऊपर रखे हुए थे।

30 इसे कोई महान विशेष निर्मित चीजें नहीं चाहिए। इसके लिए सादगी और भरोसा करने के लिए, विश्वास चाहिए। यही इसको बनाता है।

31 अब, यह जानते हुए कि समय जल्द ही बीता जाता है, हम आपको अधिक देर तक रोकने का यत्न नहीं करेंगे, जानते है कि गर्मी है और आराधनालय भीड़ से भरा है। इसलिए आज प्रातः मैं आपसे थोड़ी देर के लिए बोलूंगा, इस छोटे विषय पर जो कि हो सकता है... मेरा विश्वास है कि इससे आपकी सहायता होगी। और अब, इससे पहले कि मैं घर छोड़ू, मैंने तीन चार छोटी–छोटी बातें लिखी। मैंने कहा मैं, "मैं प्रतीक्षा करूंगा और देखुगा कि जब मैं वहां जाऊंगा तो प्रभु ने मेरे बोलने के लिए क्या रखा है।" मैंने यहां लगभग छः छोटी–छोटी बातें लिखी है, और छोटे–छोटे विषय लिख लिए है, और मैंने इन्हे लिखकर इस प्रकार से अपनी जेब में रख लिए। मैंने सोचा, "जब मैं प्रचार मंच पर पहुंचुंगा तो हो सकता है वह मुझे बात करने के लिए कुछ बताएगा।" अब मैं ऐसे ही दूर हूं जैसे कि वहां था। इसलिए, जो भी है, मैं यहां पवित्र शास्त्र पढ़ूंगा, और प्रभु ही इसे समझने में हमारी सहायता करें। हम सन्त लूका का 14 अध्याय, लगभग तीस से सन्त लूका का 14 वां अध्याय–... 31वे पद से पढ़ना आरम्भ करेगे लूका का 14वां अध्याय से।

या कौन ऐसा राजा है, कि दूसरे राजा से युद्ध करने जाता हो, और पहले बैठकर, और विचार *ना कर ले कि जो बीस हजर लेकर मुझ पर चढ़ा आता है क्या मैं दस हजार लेकर उसका साम्हना कर सकता हूं कि नहीं?*

नहीं तो वो... उसके दूर रहते ही, वह दूतो को आगे *भेजकर और मिलाप करना चाहेगा।*

इसी रीती से, तुम में से जो कोई...

32 मैं चाहता हूं कि आप ध्यान से देखें। अब, पहले उसने कहा... यह एक दृष्टांत है। उसने कहा, "अब, एक राजा चला आता है और उसके पास बीस हजार सिपाही है; और *यह* राजा उसका सामना करने जा रहा है, और इसके पास केवल दस हज़ार सिपाही है। इसलिए पहले वह बैठकर यह जानेगा यदि वह तैय्यार है, तो वह इसे कर सकता है या नहीं।" ठीक है।

... तुम में से जो *कोई अपना सब कुछ त्याग ना दे तो वह मेरा चेला नहीं हो सकता।* (समझे?)

33 अब प्रभु अपने इस वचन पर आशीष दे। अब क्या हम थोड़े समय के लिए अपने सिरों को झुकाएंगे।

34 हमारे स्वर्गीय पिता, तू जो सारी बातें जानता है, और किसी व्यक्ति मनुष्य का पक्ष नहीं करता, क्योंकि मनुष्य क्या है कि तू उसका विचार करें? तू ने मनुष्य को बनाया, और वह वो केवल एक मैदान के फूल के समान है: आज वह सुंदर है, कल वह काटा जाता है, और भट्टी में डाला जाता है, और वह सूख जाता है। और मैं तुझ से प्रार्थना करता हूं, कि परमेश्वर कि आज हम पर अनुग्रहकारी हो होने पाए कि प्रत्येक अपने आप को जांचे और परखे। हम यहां सुधार के भवन में है। हम यहां सीखने के लिए है, और जानने के लिए कि कैसे जीवित रहे, और होने दे कि आज यह आपके वचन से निकल कर सामने आए, ओह अनंत परमेश्वर। तेरे बहुत से बालक यहां भीतर इकट्ठा हुए हैं, और बहुत से बालक तेरे वर्षों से है, परंतु, जैसा कि हम सब परमेश्वर के भवन में वापस आए है, कि जाने। और मैं, आपका दास, आपके विषय में अधिक जानने की इच्छा रखता हूं। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हम सब पर और तेरे दास पर अपने वचन की प्रेरणा लाएंगे, और तेरी उपस्थिति, और हमे इस भवन में से होते प्रेरणा, आज इतनी महान होगी, कि हमारे हृदय में तेरे, और अच्छा दास बनने की इच्छा होगी, कि हमारा यहां होना लाभकारी होगा। ओह अनुग्रहकारी परमेश्वर, इन आशीषो को यीशु के नाम तेरे पुत्र से हो, प्रदान करें। आमीन।

35 अब, प्रभु अपने वचन पर आशीष दे, जैसे कि हमने पढ़ा है। आज कि प्रातः में यह मूल पाठ लेना चाहता हूं, "भरमाने वाली आत्माएं या परमेश्वर का वचन? " अब, बल्कि एक विचित्र विषय, परंतु इसका आराधनालय में होना... और पिछले बुधवार की रात्रि... पिछले रविवार प्रातः मैं एक—एक सुसमाचार के छोटे से पर्व पर बोल रहा था।

36 और पिछली बुधवार रात्रि मैं महिला पर प्रचार कर रहा था जिसके पास उसके माथे पर वो—वो सिक्के थे, या... उसने अपने सिक्कों में से एक खो दिया, और वह घर में झाड़ू लगा रही थी और इससे पहले कि उसका पति आए वह उसे ढूंढने का यत्न कर रही थी। और हमने यह पाया था कि वह महिला प्राचीन तरह की महिला थी और वह... कलीसिया को दर्शाती है। और विवाह का बंधन उंगली में नहीं पहना जाता था। और यह चांदी के

नौ सिक्को के साथ माथे पर पहना जाता था। और जब एक महिला वैश्या हो जाती थी, तो वे चांदी का एक सिक्का निकाल लिया करते थे और यह दर्शाया जाता था कि वह एक वैश्या है। और इस स्त्री ने अपने सिक्कों में से सिक्का खो दिया था, वह वैश्या नहीं थी। परंतु उसका पति बाहर गया हुआ था और वह जल्दी–जल्दी यत्न कर रही थी, कि उस सिक्के को ढूंढ ले कि वापस अपने लड़ी में लगा ले, क्योंकि जब उसका पति वापस आएगा और जानेगा कि वह वैश्यावृत्ति में पकड़ी गई है, और इसका अर्थ यह होगा कि एक परिवार का टूटना और आदि–आदि। और इसे मैंने थोड़ी देर के लिए कलीसिया पर लागू किया, कि उसने बहुत सी महान चीजें खो दी है। और यह समय है कि पिता वापस आए, इसलिए हमें उन्हें ढूंढना है। अब, कलीसिया, और आराधनालय में यह मालूम होते हुए...

37 और मैं—मैं *भरमाने वाली आत्माओ* पर बोलना चाह रहा हूं, जिसका वास्तविक शीर्षक *प्रेत शास्त्र* होगा। इन दिनों में आपने प्रेत आत्माओं के विषय में बहुत कुछ सुना होगा, परंतु आपने इस विषय पर बहुत थोड़ा सुना होगा कि कैसे इससे छुटकारा पाया जाए। हम सब यह जानते हैं—है कि प्रेत होते हैं, परंतु अगली बात यह है, कि इस चीज से कैसे छुटकारा पाया जाए। और अब... परमेश्वर के अनुग्रह से बहुत सौभाग्य मिला, कि इन चीजों से जो प्रेत कहलाते है वास्ता पड़ा, और इनसे मंच पर भेंट हुई और प्रतिदिन के जीवन में, और, क्यों, मैंने इस प्रात: वचन में देखना पसंद किया और मालूम किया कि यह क्या चीजें है।

38 अब, हमने इसे चंगाई सभा में लागू किया है, सदा चंगाई की ओर। कैंसर, फोड़े, मोतियाबिंद, तपेदिक यह सारी चीजें प्रकृतिक नहीं है, यह अलौकिक है और प्रेत है। वचन स्पष्ट रूप से प्रकट करता है कि। परंतु यह शरीर में विकास के साथ प्रेत है जैसे कि कैंसर में जीवन है, और उसका जीवन प्रेत है। मोतियाबिंद का विकास, तपेदिक का फैलना, और दूसरे रोग में ये प्रेत है। यह भौतिक क्षेत्र में है।

39 अब, आज प्रातः हम प्रेतों के विषय में, आत्मा में, प्राण में बोलने—बोलने जा रहे है। वे जैसे शरीर में होते हैं ठीक वैसे ही वे प्राण में होते हैं। और हम इसे स्वीकार करने के लिए बाध्य है कि हम इन्हें लोगों के शरीर में देखते हैं, जैसे कि कैंसर और—और भिन्न–भिन्न रोग जो मानव शरीर में होते है।

40 अभी हाल ही में, यहां तक कि कैंसर को भी चौथे क्षेत्र या अय्याम की रोग घोषित किया गया है, जो कि दूसरे क्षेत्र में है। निश्चय ही, यह प्रेतशास्त्र है। आरम्भ से ही हर लोग चौथे क्षेत्र का रोग है।

41 अब, परंतु कैंसर शरीर में या कैंसर प्राण में, प्रेत दोनों में से किसी स्थान में आ सकता है। अब, बहुत सी बार और बहुत से लोग अच्छे विचारों के साथ कि... और अच्छे लोग जो कि बहुत सी बार यत्न करते हैं जो—जो अपनी थोड़ी सी धार्मिक जानकारी के ऊपर निर्भर करते है, या कुछ ऐसा जो उन्हे बालकपन से सिखाया गया है, और अब भी वे अपने अंदर अपने प्राण के अंदर, जो उनके पास अब भी है जो कि सही नहीं है। आज, प्रातः आप में से बहुत से यहां है कोई संदेह नहीं, जहां कहीं भी आप मसीहो को एक साथ इकट्ठा पाएंगे, आप पाएंगे कि वे लोग जिनमें वह आत्मा है, जिसको कि वे... उसे वे नहीं चाहते। वे उन्हें पसंद नहीं करते। वे कहते है, "ओह, यदि मैं केवल झूठ बोलना छोड़ सकू! यदि मैं केवल यह कामुकता छोड़ सकूं! यदि मैं केवल *यह* या *वह* छोड़ सकू!" अब, यह शैतान है। और, अब, यह बहुत बार धर्म के रूप में आते है। (क्योंकि यह संडे स्कूल है, यह शिक्षा देने का समय है, इसलिए हम इस पर ध्यान दें।) अब यह बहुत ही बार, अब यह धर्म के रूप में आते है।

42 अब, एक बार पवित्र वचन में, यहोशपात नाम का एक व्यक्ति था, वह एक महान, और धार्मिक व्यक्ति था। और वह दूसरे राजा के पास गया जो कि इस्त्राईल का—का राजा था। और यहोशोपात यहूदा का राजा होने के कारण। और वह, आहाब के पास गया, और वे दोनों एक साथ मिल गए, और उन्होंने एक दूसरे के साथ, समझौता किया, कि रमोत गिलाद को लड़ने के लिए जाये। और उन्होंने यह बिना प्रार्थना के किया।

43 ओह, यदि लोग केवल यह अनुभव कर सके! और इसी कारण मैं इस प्रात: आया हूं और आपसे कहा है कि मुझे जब मैं विदेश जाऊं तो स्मरण रखें, सारी बातों के लिए प्रार्थना करें!

एक दिन कोई आया और बोला, "भाई ब्रन्हम, क्या आप सोचते हैं कि कोई विशेष बात को करना गलत है? "

44 मैंने कहा, "आप इस विषय में क्यों प्रश्न करते हैं? " समझे? यदि आपके मस्तिष्क में प्रश्न है, तो छोड़ दें, और इसे बिल्कुल ना करें। वही स्थिर रहे। जब आप कुछ करना आरंभ करें और यदि प्रश्न यह है कि यह

गलत है या सही है, तो उससे अलग हो जाए। और उसमें ना जाए समझे, तब आप ठीक है।

45 अब, सबसे पहले सारी बातों पर प्रार्थना पूर्वक विचार करना चाहिए। "पहले परमेश्वर के राज्य और धर्म की खोज करो, और यह सारी चीजें तुम्हें मिल जाएगी।" इस प्रातः में पूर्ण आशावादी हूं, यदि पुरुष और महिलाएं केवल अपने प्राण की स्थिति में जहां वे है आ जाए, तो उनके विचार, उनकी मनोस्थिति, परमेश्वर की दृष्टि में सिद्ध होगी, और वे एक शक्तिशाली कलीसियाये होगी ऐसी जो कभी ना हुई हो।

46 अब कुछ क्षणों के लिए भौतिक पर ध्यान दें। अब, हमारे पास बहुत सी बार, बहुत वर्षों से, जिन्हें हम जो हमारे यहां "झूठ संसूचक" कहते है। आप उसे अपनी कलाई पर लगा सकते हैं, उनके—उनके सिर पर लगाते है, और आप उसमें से होते हुए, अपने पूरे यत्न से झूठ को सच करके बोले, और हर बार नकारात्मक अंकित करेगा, क्योंकि मनुष्य झूठ बोलने के लिए नहीं बना है। झूठ एक धोखा, कठोर चीज, बुरी चीज है। एक झूठे से तो मेरे साथ एक शराबी किसी भी दिन हो। समझे? एक झूठा! और आपका शरीर झूठ बोलने के लिए नहीं बना है। इससे कोई मतलब नहीं कि आप कितने पापी है, आप अब भी परमेश्वर के गिरे हुए पुत्र हैं। आज इस नगर का सबसे पापी मनुष्य, परमेश्वर की इच्छा नहीं है कि आप पापी हो। वह आपको अपना पुत्र और पुत्री चाहता है। आप उसी के अनुसार बने हैं। परंतु पाप आपसे यह करवाता है। और इससे कोई मतलब नहीं कि आप कितनी नकल करना चाहे और झूठ को सच के समान दिखाना चाहे, उनके पास वैज्ञानिक यंत्र है जो यह सिद्ध करता है कि यह गलत है। आप, सारी निष्कपटता जिससे आप चाहते हैं बता सकते है, परंतु वह तब भी नकारात्मक अंकित करेगा; क्योंकि मनुष्य के अंदर एक विवेक होता है, और वह विवेक जानता है कि सत्य क्या है। और इससे कोई मतलब नहीं कि आप क्या कह रहे हैं, वह विवेक जानता है कि यह झूठ है, और यह विवेक को अंकित करेगा।

47 इसलिए यदि एक पुरूष या महिला अपने विचारों, और अपनी गवाहियो और अपने जीवन को परमेश्वर के साथ मिला ले (आमीन) जब तक कि पवित्र आत्मा का मार्ग परमेश्वर के साथ एक नहीं हो जाएगा, तो क्या घटित

होगा! यदि पुरुष और महिला अपने हृदय की स्वतंत्रता के साथ, अंदर वाले विश्वास के साथ पंक्ति बंद हो जाए!

48 बहुत से लोग वेदी पर प्रार्थना करवाने के लिए आते हैं, उनके पास बौद्धिक विश्वास है। वे अपने पापों का अंगीकार करते और ज्ञान वाला विश्वास से कलीसिया में सम्मिलित होते है। वे अपने—अपने मस्तिष्क में से तो इसका विश्वास करते है। वे विश्वास इसका करते हैं क्योंकि उन्होंने इसे सुना है। वे विश्वास करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि यह अच्छी नीति है। परंतु परमेश्वर यह नहीं देखता। वह आपके बौद्धिक विश्वास को नहीं देखता।

49 वह हृदय को देखता है, जहां अंदर परमेश्वर है... और जब यह हृदय से आता है, तब सब कुछ संभव हो जाता है। आपका अपने पापों का अंगीकार आपके जीवन से मेल खाता है। आपका जीवन उतनी ही जोर से बोलता है जैसा आपका पाप का अंगीकार होता है।

50 परंतु जब आपकी पाप स्वीकारोक्ति एक बात कहती है, और आपका जीवन कुछ और जीता है तो कहीं पर कुछ गड़बड़ है। यह इसलिए कि आपके पास बौद्धिक विश्वास है, और आप हृदय से विश्वास नहीं करते हैं। और यह यह दर्शाता है, *यहां* बाहर तो परमेश्वर का ज्ञान है, परंतु *यहां* भीतर एक संदेह करने वाली दृष्ट आत्मा है। "मैं दिव्य चंगाई में विश्वास करता हूं, परंतु यह मेरे लिए नहीं।" समझे? "ओह, यह ऐसा हो सकता है परंतु मैं विश्वास नहीं करता।" समझे? बाहर से आप कहते है? "हां"; अंदर से, आपका विवेक कहता है "नहीं।" वह वही वैज्ञानिक चीज सिद्ध करेगी कि यह ठीक नहीं था, वह इसे सिद्ध करती है।

51 ध्यान दें जब ये राजा, इससे पहले कि ये आरंभ करते उन्हें चाहिए था... इससे पहले यहोशोपत आहाब के साथ संबंध स्थापित करता, उसे पहले कहना चाहिए था, "आओ हम प्रार्थना करें और देखें प्रभु कि क्या इच्छा है।"

52 मुझे एक प्रचारक दो, मुझे एक मसीही दो, मुझे एक घरेलू पत्नी जो कि विश्वासी हो दो, मुझे एक किसान या फेक्टरी में कार्य करने वाला, दो जो हर चीज में पहले परमेश्वर को रखेगा, मैं आपको दिखा दूंगा कि वह व्यक्ति सारे शैतान लगे होने के बाद भी सफल होगा। वह पहले परमेश्वर से पूछता है। पहले हमें चाहिए कि...

53 परंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया था। क्योंकि आहाब का एक शानदार राज्य था, उन पर यह बातें छा गई थी और उसने सारे कार्य किए थे, और उसके पास महान शुद्ध करने वाली भट्टियाँ थी, उसका सोना और उसकी चांदी बहुत थी वह एक सफल व्यक्ति था, फिर भी एक अविश्वासी था।

54 और यही है वह जहां आज संसार है। यही है वह जहां अमेरिका खड़ा है। यही है वह जहां आज कलीसियाये खड़ी है। हमने कुछ ऐसे सर्वोत्तम गिरजे निर्मित किए हैं जो कभी निर्मित हुए हैं। हमारे पास बढ़िया ज्ञानियों में से कुछ है जो हमारे पास कभी पहले नहीं थे। हमने सबसे बढ़िया धार्मिक ज्ञान सिखाया, और आदि–आदि, गाना सिखाया कि स्वर्ग दूतों के समान गाये, परंतु फिर भी कहीं कमी है कहीं कोई कमी है। यह कमी ही है, क्योंकि वे मानवीय शिक्षा और भरमाने वाली आत्माओं के पीछे हो लिए हैं, परमेश्वर के वचन की ओर फिरने के बजाये। वे संसार के नमूने पर चीजों के बनाने का यत्न कर रहे हैं। उन्होंने हॉलीवुड के समान उस पर चमकीला प्रकाश लगाने का यत्न किया है।

55 यहां उस दिन प्रसिद्ध नामधारी संस्था के नसास नगर में फुल गोस्पल का क्षेत्र, या, क्षमा कीजिए, कन्वेशन डेनवर में, लाखों डॉलर का आराधनालय भवन बना रहे हैं। और हजारों मिशनरी उसी नामधारी से पच्चास सेंट की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि मूर्तिपूजको में सुसमाचार को ले जाए। आज हमें किसकी आवश्यकता है, एक मिशनरी विचार धारा, परमेश्वर से भेजें, पवित्र आत्मा से उत्पन्न बेदारी, उसमे परमेश्वर के लिए जोश होगा कि जंगलो में चले जाए और परमेश्वर के लिए कुछ करें, बजाये इसके कि बड़े शानदार आराधनालय बनाए और पड़ोस में बहारी चमक दिखाने का यत्न करें।

56 मैं तो बल्कि ऐसे उद्देश्य में आराधना करूंगा, जहां पर सफाई करके या शराब खाना हो, और पवित्र आत्मा की स्वतंत्रता हो और परमेश्वर का प्रेम ह्रदयो में प्रज्वलित हो, बजाये किसी महान गिर्जा घर में बैठू जो कि हमारे पास संसार में है और मनुष्य की शिक्षा और सिद्धांतों से अपाहिज हो। आज हमें झकझोर देने वाली बेदारी की आवश्यकता है, वापस सत्य आये, फिर से परमेश्वर के वचन पर आए।

57 जब वे बाहर गए और थोड़े समय के पश्चात एक प्रकार से यहोशोपत अपने आपे में आया और बोला, "क्या हम... ठीक हैं, इस विषय में हम

प्रभु से संपर्क करें।"

58 उसने कहा, "ठीक है," आहाब ने किया, और उसने सौ, चार सौ बढ़िया प्रशिक्षित प्रचारक बुलवा भेजें। और वह उन्हें वहां लाया और कहा, "यह सब भविष्यवाणी करने वाले है।"

59 और वे अपने विमोहन में चले गए, और उन्होंने कहना आरंभ किया। और उन्होंने कहा, "हां, तुम शांति से जाओ। प्रभु तुम्हारे साथ है।"

60 और तब जब इन सब चार सौ ने अपनी गवाही दी कि उन्हें शांति से जाना चाहिए, तो भी यहोशोपत जानता था... क्या आप इसे समझें? देखिए, इस धर्मी व्यक्ति के हृदय में से किसी ने कुछ उससे कहा कहीं पर गड़बड़ है। कोई बात गलत थी।

61 आहाब ने कहा, "अब यहां हमारे पास चार सौ एक मत में है, और उनमें हर कोई कहता है, 'जाओ प्रभु तुम्हारे साथ है।'"

परंतु यहोशोपात ने कहा, "क्या तुम्हारे पास कोई और नहीं है? "

62 उसने कहा, "तो, हमें एक और की क्या आवश्यकता है आखिरकार हमारे पास 400 है इस राष्ट्र के सबसे बढ़िया शिक्षित? वे सब कह रहे हैं 'जाओ!'" यह ज्ञान था। परंतु यहोशोपत हृदय की गहराई में जानता था कि कुछ गड़बड़ है। अब उसने कहा, "हमारे पास एक और है, वह मिकायाह है। परंतु मैं उससे घृणा करता हूं।" कहा, "वह सदा कुछ बुरा कहता है, और बनता है जबकि उसका कोई मतलब नहीं, और वह कलीसियाओ की भर्त्सना करता है और बहुत कुछ।" कहा, "मैं उससे घृणा करता हूं।"

कहा, "जाओ, बुला लाओ और हम देखें कि वह क्या कहेगा।"

63 जब मिकायाह आया, उसने कहा... उन्होंने कहा, "अब, देखो, तुम वही बात कहना जो बाकियों ने कही है।"

64 उसने कहा, "मैं केवल... " यहां पर। "मैं केवल वही कहूंगा जो परमेश्वर कहता है।" आमीन। "इससे कोई मतलब नहीं तुम्हारा भविष्यवक्ता क्या कहता है, और *यह* क्या कहता है, तुम्हारी कलीसिया क्या कहती है, और वे क्या कहते हैं, मैं वही कहूँगा जो परमेश्वर कहता है। परमेश्वर मेरे होठों पर डालेगा और मैं वही कहूंगा, जो वह कहता है।" आज हमारी क्या आवश्यकता है, बहुत सारे मिकायाह जो वही कहे जो परमेश्वर ने कहा है। ध्यान दें, इस प्रकार से वे उसे वहां ले गए और उसने कहा, "मुझे आज

की एक रात्रि दे दो।" इसलिए उस रात्रि प्रभु उससे मिला, और वह अगली प्रातः वापस आया। जब दो राजा फाटक पर बैठे थे, उसने कहा, "जाओ।" कहा, "जाओ चढ़ जाओ। परंतु," कहा, "मैंने इस्राएल को ऐसा देखा जैसे भेड़े बिना चरवाहे के बिखर गई हो।"

65 इसलिए यह वाला प्रचारक, कपड़ों से सुसज्जित गया, और उसके मुंह पर थप्पड़ मारा, और बोला, "मुझे छोड़ कर परमेश्वर का आत्मा कहां चला गया? "

कहा, "जब तू वापस आएगा तो देख लेगा।" जी हां।

66 उसने कहा, "इधर सुन!" उसने कहा, "हम परमेश्वर के दास है। हम चार सौ है और तू अकेला है।"

67 परंतु मिकायाह ने कहा, "मैं तुम्हें बताऊंगा गड़बड़ी कहां है।" आमीन! कहा, "मैंने एक दर्शन देखा।" आमीन! उसने कहा, "मैंने परमेश्वर को उसके अपने सिंहासन पर विराजमान देखा। मैंने देखा स्वर्ग की सेना उसके चारों ओर घिरी है। और हम जानते हैं कि परमेश्वर के वचन ने इस मनुष्य पर श्राप घोषित कर दिया था, जिस प्रकार से इसने किया था।"

68 आप उसे आशीषित नहीं कर सकते, जिसे परमेश्वर ने श्रापित ठहराया, जिसे परमेश्वर ने आशीषित किया उसे शैतान श्रापित नहीं कर सकता। यह एक व्यक्तिगत मामला है, इससे कोई मतलब नहीं कितना निर्धन कितना मूर्ख कितना ना समझ कितना अशिक्षित। जिसे परमेश्वर ने आशीषित किया आशीषित है। जिसे परमेश्वर ने श्रापित किया वह श्रापित है। अंतर करना जानता है क्या सही और क्या गलत है।

69 मिकायाह भली प्रकार से जानता था और निश्चित था कि जो उन प्रचारकों के साथ है प्रभु नहीं था। ठीक है, उन प्रचारकों के साथ क्या मामला था? देखिए उन्होंने क्या किया उन्हें सबसे बढ़िया कपड़े पहनाए गए। उन्हें सबसे बढ़िया खाना खिलाया गया। वे अपनी दावतो में एक साथ आए थे और आदि–आदि, और उनके समझौते, तब तक वे उस स्थिति में नहीं पहुंच गए जहां वे अपने धार्मिक ज्ञान को छोड़ और कुछ नहीं जानते थे। और बाईबल ने बताया कि मिकायाह, जब वह दर्शन देख रहा था, उसने बताया कि, "परमेश्वर ने कहा, कि 'हम वहां नीचे जाने के लिए किसी किसे ले सकते हैं और आहाब को बहकाये? ' और एक झूठी आत्मा ने कहा, 'मैं

वहां नीचे जाकर और आहाब को उन प्रचारकों के द्वारा बहकाऊँगी, कि आहाब वहां जाएं, ताकि परमेश्वर का वचन घटित हो।'"

70 अब, आज बहुत सारे लोग सुन रहे है... (अब, मुझे यह संडे स्कूल अच्छा लगता है, मैं इसे पसंद करता हूँ।) देखिए, बहुत सारे लोग बहकाने वाली आत्माओं कि सुन रहे हैं बजाए परमेश्वर के वचन को लेने के। आत्माएं, यह संसार में है। वे प्रेत है। और वे बाहर विभिन्न स्थानों में जाती है और मनुष्यो और सेवकों में समा जाती है। वे कलीसिया के सदस्यों में समा जाती है। वे भले लोगों में समा जाती है। और वे उन्हें निर्देश में लाने का कारण होती है। और वे बातें कहते हैं, और कार्य करते हैं, और शिक्षा देते, और बातों का अभ्यास करते, जो कि परमेश्वर के वचन के विरुद्ध है। आज, सेवकगण अपनी सभा के लोगों को कलीसिया में ताश खेलने की अनुमति देते हैं, उनमें से बहुत से है। अब, यह सारे कैथोलिक नहीं है, बहुत से प्रोटेस्टेंट ऐसा करते हैं।

71 उन्होंने क्या करने का यत्न किया, उसके बदले में कुछ करने का यत्न करते है। वे किसी नई योजना को अपनाने का यत्न करते हैं। उन्होंने पवित्र आत्मा के स्थान पर शिक्षा को अपनाने का यत्न किया। आप इसे कभी भी करने योग्य ना होंगे, इससे कोई मतलब नहीं आपका व्यक्ति कितना अच्छा शिक्षित है। मैं सोचता हूं उसके लिए शिक्षित होना अच्छी बात है। परंतु यदि उसे इससे पवित्र आत्मा ना मिले, तो उसकी शिक्षा उसकी कोई भलाई ना करेगी। शिक्षा कभी भी पवित्र आत्मा की अगुवाई का स्थान नहीं लेगी। आमीन।

72 ध्यान दें, उन्होंने पुराने समय के अनुभव, जो हमारे पास हुआ करते थे उसके स्थान में हाथ मिलाने का तरीका अपनाने की चेष्टा की। आज कलीसिया आधुनिक हो गई है। वे आगे बढ़ कर अपना सीधा हाथ संगति के लिए देते हैं, और वे इस प्रकार से करते हैं। परंतु यह कभी भी शोक मनाने वाले उस पुराने स्थल का स्थान नहीं लेगा जहां पापी बुलाए जाते और परमेश्वर के साथ मिलकर ठीक हो जाते थे। यह ठीक बात है।

73 आज वे परमेश्वर की देहकी स्थान लेने का यत्न कर रहे हैं। वे कुछ अपनाने का यत्न कर रहे हैं। वे इसे भिन्न बनाने का यत्न कर रहे हैं। वे जाकर कलीसियाओ में बैंकों खेल खेलते हैं, लॉटरी खेलते हैं। लॉटरी कभी भी परमेश्वर के दशमांश का स्थान नहीं ले सकती। सांझ की दावते, कंबल

बेचना, पिकनिक पैसे उड़ाना ताकि विभिन्न कर्जे निबटाये जाए, यह कभी भी परमेश्वर के अनंत दशमांश और चढ़ावे का स्थान नहीं ले सकते। यह कभी नहीं चलेगा। परंतु फिर भी हम ऐसा ही करने का यत्न कर रहे हैं।

74 यह क्या है? यह बहकाने वाली आत्माएं नीचे आ रही है... और परमेश्वर के वचन के स्थान पर कुछ और दे रही है। परमेश्वर के पास उसके वचन के बदले में और कुछ नहीं है। यह सदा के लिए अनंत है। परमेश्वर के पास विश्वास के बदले में कुछ नहीं है। विश्वास के बदले में और कुछ नहीं है। आशा विश्वास का स्थान नहीं ले सकती। विश्वास अकेला ही है। वह अकेला ही स्थिर रहता है। वह कभी भी नहीं लेगा... आशा उसका स्थान कभी नहीं ले सकती। आशा, आशा की हुई वस्तु का पदार्थ है अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण, या बल्कि विश्वास। समझे? आशा एक चीज है, विश्वास दूसरी। आशा उसकी आशा करती है; विश्वास के पास होता है। एक बौद्धिक विश्वास; और दूसरा परमेश्वर की ओर से सीधा प्रकाशन। वह इसका स्थान नहीं ले सकता। हम यत्न कर रहे हैं, परंतु हम इन सब चीजों को बदले में बना रहे है।

75 विपरीत इसके कि हम प्रचारको को भेजें हम बड़े–बड़े आराधनालय बना रहे हैं। यह एक और विकल्प है। यीशु ने कभी किसी को आराधनालय बनाने का आदेश नहीं दिया। बाईबल में कभी ऐसा कोई आदेश नहीं था। हमने धार्मिक विद्यालय बनाए, उन्होंने प्रचारकों के स्थान को ले लिया। हम... यीशु ने कभी भी धार्मिक विद्यालय बनाने के लिए नहीं कहा। वे ठीक है। शिक्षा, उसका स्थान लेने का यत्न कर रही हैं। यह कभी भी कार्य नहीं करेगी। यीशु का आज्ञा दी थी "कि जाओ सारे जगत में और हर प्राणी को सुसमाचार सुनाओ," अंत समय के लिए। इसलिए हमारे सारे विकल्प कभी भी मूल बात का स्थान नहीं ले सकते।

76 उस दिन मुझे विकल्पों का अनुभव हुआ था। पहली बार मेरे दांत में दर्द हुआ था, दांत को उखाड़ना था। आज प्रात: मेरे नकली दांत लगा हुआ है। मैं कठिनता से बात कर सकता हूं। यह वास्तविक का स्थान नहीं ले सकता। नहीं, श्रीमान! ओह, प्रभु!

77 आप लकड़ी, मनुष्य ले सकते है उसे कपड़े पहनाए, चाक मिट्टी का बना हुआ, जो कुछ भी आप चाहते है, और उसे पूरी तरह से सवारे। उसके पास भावनाएं, विवेक नहीं है। वह कभी भी वास्तविक मनुष्य का स्थान

नहीं ले सकता। ना हीं झूठा मत परिवर्तन जो कि बढ़कर कहता है, "मैं कलीसिया में सम्मलित हो गया हूं। मैं अच्छा करने का यत्न करूंगा।" यह कभी भी मूल पुराने चलन का, परमेश्वर का भेजा हुआ, पवित्र आत्मा से मत परिवर्तित जो कि मनुष्य को ह्रदय से भिन्न बना देता है। यह इसे नहीं कर सकता, क्योंकि उसमें जीवन नहीं है। उसमें जीवन देने के लिए कुछ नहीं है।

78 यहां अधिक समय नहीं हुआ मैंने एक महान कलाकार को देखा, जो वह मूरत लाया था, मेरा अर्थ जिसने मूसा का यह चित्र बनाया। मैं उसका नाम अभी स्मरण नहीं कर पा रहा हूं। वह यूनानी चित्रकार है। उसका जीवन लग गया। और जब वह उस स्थिति में पहुंचा जहां उसने सोचा यह इतना सिद्ध है, वह मूसा की छवि से इतना रोमांचित हो गया, यहां तक कि उसके घुटने पर चोट की और कहा, "मूसा, बोल!" यह इतना वास्तविक प्रतीत हुआ! वह इतनी समानता इतना सिद्ध, जब तक कि उसके विचार में, वह मूसा के समान ना दिखने लगा, जिस पर कि उसने हथौड़े से वार किया ताकि उसमें भावना बन जाए।

79 कलीसिया के मस्तिष्क में डाल दिया। इससे कोई मतलब नहीं आप कितनी अनुकल्पना करते हैं आपके पास कितनी बड़ी सभा है, आप कितनी अच्छी तरह आये गीत गाते है, आपकी सभा कितनी अच्छी वेशभूषा पहनती है, आपके पास कितना *यह, वह,* या *कुछ* है, आप घात, अनुभव, जो कुछ कर सके। वह जीवन का स्थान कभी नहीं लेता, जब तक कि मसीह कलीसिया में पवित्र आत्मा के रूप में नीचे नहीं आता, और नये जन्म के होने का नया अनुभव नहीं देता है। यह कभी भी परमेश्वर के वचन का स्थान नहीं लेगा। परमेश्वर का वचन अकेला ही खड़ा होता है।

80 मिकायाह के पास वचन था। वह जानता था कि उसके पास वचन है। उसके पास लिखित वचन था, उसके पास दर्शन के द्वारा वचन था। वह जानता था कि परमेश्वर ने अपने वचन में क्या कहा था। वह जानता था कि परमेश्वर ने दर्शन के द्वारा क्या कहा। वे दोनों एक साथ आए। वह जानता था कि यह सत्य था, इसलिए वह डरा नहीं।

81 परन्तु देखिये इस बहकाने वाली आत्मा ने आज क्या किया है। कलीसिया के अधिक सदस्य बनाए, कलीसिया के अच्छे सदस्य बनाए, पुराने चलन के पवित्र आत्मा की शिक्षा को छोड़ो। यह पुरुषों को एक दूसरे

के साथ सामाजिक दावते करने की अनुमति देता है, वहां नीचे तहखाने में जहां वे खेल खेले। यह ऊपर वाली कोठरी का स्थान कभी नहीं ले सकता, जहां वे पवित्र आत्मा के लिए प्रार्थना कर रहे थे। इसने महिलाओं को अनुमति दी कि एक साथ इकट्ठा होकर और चुटकुले सुनाए, और बातें करें और बहुत सी मूर्खताये करें जिसमें कि कुछ भी नहीं है। यह प्रार्थना सभा का स्थान नहीं ले सकता। आज जिस प्रकार से स्त्रियां बाहर जाती और वेशभूषा पहनती है, यह—यह अशोभनीय है।

82 मैंने एक टिप्पणी सुनी जो की भाई नेविल ने कही, कहा, "वे वह निर्धन अमेरिकी लोगों ने," कहा, "उन्होंने अपने सारे कपड़े विदेशों को भेज दिये।" यह ठीक बात है। वे अपने अंदर के कपड़ों में घूम रहे है। वे... यह ठीक बात है। उन्हें यह प्रचारकों को दे देना चाहिए, क्योंकि प्रचारक... वे लोग और मूर्तिपूजक दूसरे देशों में उन्हें पहन रहे है। यह लोग उनके बिना काम चला रहे हैं, जैसा वे चाहते हैं, दिख पड़ रहे है।

83 मैं आपको बताऊंगा कि कुछ है जो भ्रष्ट हो गया, और यह प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार है। यह प्रेत है जो आपके कपड़े उतारते है। बाईबल में एक व्यक्ति को छोड़ और कोई नहीं हुआ जिसने अपने कपड़े फाड़कर उतार दिए, वह वह व्यक्ति था जो कि प्रेत आत्मा से ग्रस्त था। और आज यह हल्के रूप में है, जैसे कि वह सामाजिक है, जैसे कि वह अच्छा है, जैसे कि यह ठीक है। "यह ठंडा मौसम है, और यह आपको और ठंडा कर देगा यदि आप अपने वस्त्र उतार देंगे।" और मनुष्य पीछे आंगनो में ऊपर नीचे चल रहा है, और आधा नंगा है, और इसी प्रकार महिलाएं। क्यों, आप यह सब कर रहे हैं, फिर और कोई सम्मान नहीं है जैसे कि कुत्तों के लिए, एक दूसरे के लिए। क्या मामला है? मैं आपको अघात पहुंचाने का यत्न नहीं कर रहा हूं। मैं केवल यह बताने का यत्न कर रहा रहा हूं कि यह प्रेत ग्रस्त है, और आप बहकाने वाली आत्मा की सुन रहे हैं वह आपको बता रही है "यह ठीक बात है," परंतु यह झूठ है।

84 गेहूं का एक बीज केवल गेहूं ही को उत्पन्न करेगा। यदि आप मसीही है, तो फिर आप ऐसा नहीं करेंगे। आप यह नहीं कर सकते। आप बस यह नहीं कर सकते। आपके पास तो एक बौद्धिक विश्वास है और कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं बाईबल का विश्वास करता हूं।" आपका जीवन बताता है

कि आप नहीं करते है। आमीन। बहकाने वाली आत्माएं परमेश्वर के वचन का विवरण दे रही है।

85 मिकायाह ने जो किया, वह जानता है कि वह कहां खड़ा है। उसके पास परमेश्वर के वचन था। वह प्रसिद्ध व्यक्ति नहीं था। उसे कोई पसंद नहीं करता था क्योंकि उसने सत्य बताया, यदपि वे इन प्रचारकों को पसंद करते थे।

86 अब, दूसरी चीज जो घटित हुई। मैं विश्वास करता और सोचता हूं कि कोई भी व्यक्ति जिसे परमेश्वर का अनुभव हुआ हो, या एक महिला जो थोड़ी अधिक भावुक होती है। मैं कुछ ऐसा विश्वास करता हूं। यह ठीक बात है। परंतु जानते हैं कि क्या? उन्होंने पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के लिए भावुकता को अपना लिया है। वे बहुत शोर मचाते हैं, और उसमें कुछ भी नहीं है। आप जितना पवित्र जीवित रहे जैसा कि शोर मचाकर रहते हैं, आप ठीक होंगे। निश्चय भावनाये ठीक है; "शारीरिक योग थोड़ा लाभ पहुंचाता है।" परंतु बहकाने वाली आत्माएं उन होलीनेस लोगों के झुंड में घुस जाती है, और वे उन्हीं में विश्राम करते है, "क्योंकि वे चिल्ला सकते हैं" या "वे नाच सकते हैं क्योंकि वे भावुक बन सकते है।"

87 वह पुराना व्यक्ति सब भविष्यवक्ता प्रचारकों का मुखिया वह अपने में इतना निश्चित था, कि उसने स्वयं एक सीगो का जोड़ा बनाया और चारों ओर नाचा और एक बड़ी उत्तेजना भड़काई। वह दूसरी सीरियायी सेना को देश से बाहर धकेलने जा रहा था। परंतु यह झूठा था! परमेश्वर के वचन ने भिन्न कहा था। आमीन। ठीक है, आप ठीक भावुक हो सकते हैं, यदि आपके पीछे सही प्रकार की भावात्म है, सही प्रकार की भावुकता आपकी भावना को चला रही है।

88 दाऊद प्रभु के समक्ष नाचा, और उसकी पत्नी उस पर हंसी। और परमेश्वर ने स्वर्ग से नीचे देखा, और कहा, "दाऊद तू मेरा मनपसंद मनुष्य है।" परंतु उसका उद्देश्य ठीक था। उसके पीछे उसका जीवन ठीक था।

89 इसलिए, क्योंकि हम जरा भावुक हो सकते हैं, इसका यह अर्थ नहीं कि आप बच गए। क्योंकि हम कलीसिया में जाते हैं, इसका यह अर्थ नहीं कि हम बच गए। उन बहकाने वाली आत्माओं का विश्वास ना कीजिए। परमेश्वर का वास्तविक आत्मा, परमेश्वर का वास्तविक वचन, परमेश्वर

का सत्य है; जो कि परमेश्वर का बीज आपके जीवन में परमेश्वर उत्पन्न करेगा; भक्तिपूर्ण, संतता, पवित्र।

90 हम बहुत से लोगों में जहां हम भावनाएं पाते हैं, और आदि–आदि, वहां बुडबुडाना, गपशप और चुगलियां, और सब प्रकार की अभक्ति की बातें हो जाती है। भाई, यह कलीसिया में गंधक का तेजाब है। यह प्रेत शक्ति है। पुरुषों और महिला की आत्मा जो एक दूसरे से मिलते है, और पीछा छुड़ाने का यत्न करते है, कहते हैं, "*यह* ठीक नहीं है, *वह* ठीक नहीं है, और *वह* ठीक नहीं है।" यदि आप इसका पता लगाएंगे तो दस में से नौ बार कि यह वही व्यक्ति गड़बड़ी कर रहा है जो ठीक नहीं है। आमीन। भाइयों की फूट से परमेश्वर घृणा करता है। भक्ति पूर्ण रहे, पवित्र रहे, परमेश्वर से प्रेम करें, उसके पास खड़े हो। जब तक आप जानते हैं कि आपका जीवन बाईबल से मिला हुआ है, हृदय की शुद्धता, विचार की शुद्धता, अपने भाई की ओर प्रेम, अपने पूरे यत्न से परमेश्वर के राज्य को बनाना, और उन कार्यों को करना सही वस्त्र पहनना, सही जीवन, सही वार्तालाप, ठीक स्थानों पर जाना, तब आप वही सारी भावनाएं जा सकते हैं, जो आप चाहते हैं, और हर कोई इसका विश्वास करेगा।

91 यीशु ने कहा, "तुम पृथ्वी के नमक हो। यदि नमक अपना स्वाद खो दे, तो वह किसी काम का नहीं कि बाहर फैका जाए और पैरों तले रौंदा जाए।" यदि आप केवल नमक है, तो यह कुछ अच्छा नहीं। परंतु यदि आप में नमकीनपन है, आप नमकीन है और संसार प्यासा होगा। आप नमकीन बनिए वे प्यासे होंगे। ओह, प्रभु!

92 बहकाने वाली आत्माये जा रही हैं, प्रेत रूप बदल कर। देखिए, हम अंत के दिन में है। हम अंत समय में है। संसार अपनी चोटी पर आने के लिए लगभग तैयार है, जैसे कहीं छाला हो जो कि इन्हीं किन्ही दिनों में फटने वाला हो और अंदर का भाग उसमें से निकलने को है। यह अश्लील हो गया। इसे कोई मलहम चंगा नहीं कर सकता। उन्होंने उस—उस सीरम को त्याग दिया। उन्होंने चिकित्सा को त्याग दिया है। आप एक उभरते हुए फोड़े को ले, और यदि आप पेन्सलीन या कुछ और उसे चंगा करने के लिए, ना ले, या कुछ और, तो यह तब तक बढ़ता रहेगा जब तक वह फट ना जाएगा।

93 यही वह है जो संसार ने किया है। यह अधिक समय नहीं हुआ कि नीचे होना आरंभ हो गया। वे उस बड़ी महान विचारधारा से हट गए और झूठी आत्माएं अंदर आ गई और लोगों को *यह, वह,* या *कुछ* और बताने लगी: हम नौ सौ विभिन्न मतों में बट गए और प्रत्येक एक भिन्न दृष्टिकोण के साथ। वे कहते हैं, "हम *इसका,* विश्वास करते हैं, समय काल! हम केवल इतना विश्वास करते हैं।" वे पवित्र आत्मा को भीतर नहीं आने देते हैं। वे सही मार्ग नहीं ले सकते। परमेश्वर ने एक झुंड लिया जो चिल्ला सकता था, तो हर किसी को चिल्लाना पड़ा। उनके पास कुछ थे जो अन्य भाषा बोल सकते थे, तब हर किसी को अन्य भाषाएं बोलनी पड़ी। वे सब इस प्रकार के हो गए जब तक हम पूर्णत (क्या?) बहकाने वाली आत्माओं से दूषित ना हो गए, भरमाये हुए लोगों को यह भावुकताये करने के लिए जबकि इसमें परमेश्वर कहीं नहीं है। तब वे बाहर जाते हैं और किसी भी प्रकार का जीवन जो वे चाहते हैं जीते हैं, और इसे "मसीहत" कहते हैं।

94 और संसार बैठता है और देखता है और कहता है, "ठीक है, वहां देखो! मैं भी उतना अच्छा हूं जितने वे है।"

95 जैसे कि मैंने उस रात्रि सूअरनी के लिए कहा, पापी के विषय में। आप दोष नहीं लगा सकते... एक पापी, पापी ही है। उसे सुधारने का यत्न ना करें। उसे *यह वह* या *कुछ* और मत बताओ। वह आरंभ से ही पापी है। वह आरम्भ से ही सूअर है। वह कोई भी अंतर नहीं समझता। यदि वह सिनेमा जाता है, और वह रविवार को जाता है, और वह गेंद खेलने जाता है, और वह सारी चीजें करता है, वह आरंभ से पापी है। उसका स्वभाव सूअरनी के समान है। पुरानी सूअरनी अपनी नाक खाद के ढेर में घुसाती है और उसमें से सब अनाज के दाने खाती है, और हर चीज ठीक है; वह एक सुअरनी है। आप उस पर दोष नहीं लगा सकते। वह एक सूअरनी है। और इसी प्रकार पापियों के साथ है। परंतु जब आप स्वयं को मसीही कहते हैं, और उसके साथ अपनी नाक लगाकर घुसाते है, तो आप उससे भले नहीं है, परंतु आप बुरे हैं। उसमें से निकल आए। संसार से निकले। निकले। परमेश्वर को होने दे। जाने दे।

96 आप कैसे छोड़े? आप बहुत सारे लोग चकित हो रहे हैं, कह रहे हैं, "ठीक है, भाई ब्रन्हम, आप कैसे छोड़े? " मैं जानता हूं इस पर आपने बहुत सा धर्म ज्ञान सुना है, "जाने दो।" बहुत सारे लोग यत्न में पसीना

निकाल लेते हैं छोड़ने का यत्न करते हैं। बहुत से लोग आकर कहते हैं, "मैं चालीस दिन का उपवास करने वाला था, ताकि मैं कुछ कर सकूं।" आपको चालीस दिन के उपवास की आवश्यकता नहीं है। आपको आवश्यकता है कि संसार से और उन सारी शैतानी चीजों से अलग हो जाए, और परमेश्वर का वचन अपने ह्रदय में ले। आपको सीखना होगा कि इसे कैसे करें। आप इसे ऊपर नीचे कूद कर नहीं करते, ना ही आप चालीस दिन का उपवास रखकर करते है। आप इसे सर्वशक्तिमान परमेश्वर को समर्पित ह्रदय से करते हैं।

97 एक छोटे बालक के समान। वहां पीछे मैंने अपने छोटे बालक पर ध्यान दिया कि आज प्रातः उसकी मां उसे छोटी जैकेट पहनाने का यत्न कर रही थी। वह अपना छोटा हाथ आस्तीन में डालना चाहता था। वह अपना हाथ उसमें ना डाल सका; वह नहीं जानता कि कैसे। आपको उसके छोटे हाथ को मार्ग पर लाना होगा। वह अपना हाथ उसमें डालना चाहता है, परंतु वह केवल चारों ओर घूमकर यत्न कर रहा है। वह अपनी आस्तीन तक नहीं पहुंच पाता। वह जानता है कि वह आस्तीन में नहीं है।

98 ऐसे ही आप जानते हैं कि आप परमेश्वर के साथ ठीक नहीं है, जब आप अब भी चुगली कर रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, और हर कार्य कर रहे है। आप परमेश्वर के साथ ठीक हो ही नहीं सकते, मैं चिंता नहीं करता आप कितनी कलीसियाओ से संबंध रखते हैं, जब तक आपका प्राण का मतपरिवर्तन नहीं हो जाता। भाई, यह पुराना चलन है, परंतु यह उफनना कम हो जाएगा और आपके प्राण में इस डाल देगा। ठीक है!

99 अपना हाथ डालने का यत्न करता है, उसका कोई सीधा मार्गदर्शन करें कि अपना हाथ कैसे अंदर डाले। तब जब उसका आपका हाथ उसकी छोटी जैकेट में चला जाता है, तो वह जानता है कि वह अब ठीक है।

100 हर नया जन्म पाए मसीही के साथ इसी प्रकार होता है। जब वह वास्तव में परमेश्वर में होता है तो वह अपने जीवन को परमेश्वर के साथ देखता है और वह अनुभव करता है कि वह उसके प्रत्येक बिंदु के साथ मेल खाता है। उसके पास धैर्य, सुशीलपन, निश्चलता, नम्रता, सामर्थ, विश्वास, प्रेम, आनंद, शांति होती है। वह अशान्त समुद्र के समान हिलकोरे नहीं खाता। वह छोटी–छोटी बातों की चिंता नहीं करता। वह बोतल की डांट की तरफ उछलने वाले समुद्र में *इधर* और *उधर* नहीं कूदता है। वह स्थिर

है। उसका हृदय निर्मल है। उसके विचार निर्मल है। उसके इरादे निर्मल है। उसके विकल्प ठीक है। और वह जानता है, वह परमेश्वर के वचन के साथ एक सीध में है। सारे नरक उसे हिला नहीं सकता। वह परमेश्वर के वचन के द्वारा सीधी रेखा में है। उसके पास दिव्य प्रेम, उसके हृदय में शुद्धता हर पुरुष और महिला के लिए है। वो... वह संसार की वस्तुओं से परे है वे उसके लिए मृत है; वह उन्हें अब और अधिक नहीं चाहता। क्यों, आप उसे एक पवित्र आत्मा की लड़की नहीं बना सके जिसने अभक्ति दिखने वाले वस्त्रों को पहने हैं और बाहर बिना किसी मतलब के है। नहीं, श्रीमान।

101 अब इसकी आवश्यकता नहीं कि जाकर उसे बताएं कि वह गलत है, क्योंकि वह आपका विश्वास नहीं करेगी, वह इतना ही जानती है। यही उसका आनंद है। वह स्त्री उन छोटी–छोटी चीजों को पहनती है; कि सांझ को बाहर निकले, ठीक जब उनके पुरुष वापस घर आते हैं; सरकार और कहते हैं मैदान की घास काटो, इसलिए... मुझे बताएं कि क्या यह ठीक है? महिला मेरे कहने का अर्थ यह नहीं कि आप—आप बुरी है। मेरे कहने का अर्थ यह नहीं कि आप अनैतिक है। परंतु बहन आप अनुभव नहीं करती है कि एक अशुद्ध आत्मा ने आपके ऊपर अधिकार कर रखा है। आप इसके लिए क्या करेगी? आपके पास इतनी चेतना है कि जाने यह ठंडा नहीं। यह गर्म है। वहां अशुद्ध आत्मा है।

102 आप कहते है, "मुझे? मैं, मैं एक आराधनालय जाती हूँ!" नबुकदनजर एमहान मनुष्य था। परंतु क्योंकि वह एक अभिमानी हो गया, परमेश्वर ने उसे एक बैल की आत्मा दे दी, और उसे सात वर्ष तक घास खाने दी, और उसकी उंगलियों के नाखून कुछ इन्ही स्त्रियों के समान बढ़ गए जो स्त्रियां यहां आस–पास में ऐसा करती है। यह ठीक बात है। और वह प्रेत ग्रस्त हो गया था।

103 एक मनुष्य प्रेत ग्रस्त हुआ और अपने कपड़े उतार दिए। वे उसे वस्त्र नहीं पहना सके। क्या आप समझे मेरा क्या अर्थ है? यह एक भरमाने वाली आत्माएं हैं।

104 आप कि कलीसिया इसी में है। आपका प्रचारक कुछ भी कहने से डरता है, डरता है कि आप आगे को दशमांश नहीं देंगे। यही कारण है। यही परेशानी है। कैसी बात है! आप बाजो के झुण्ड को कैसे प्रचार कर सकते हैं, जब तक की आप उनका मत परिवर्तन ना कर दें और आरंभ से ही

परमेश्वर के साथ ठीक ना बना ले? वे अपनी चोच को हर समय मृत वस्तू में ही घुसायेगे। आपको आवश्यकता क्या है कि पुराने चलन की बेदारी एक से दूसरे किनारे तक चली जाए, और पुरुष और महिलाएं परमेश्वर के साथ ठीक हो जाए। आइए संसार की बातों को छोड़ दें! और चिकनी चुपडे प्रचार को छोड़ दें। आमीन। सुसमाचार प्रचार करें। परमेश्वर ने यही कहा है। "यदि आप संसार से प्रेम रखते हैं या संसार की वस्तुओं से प्रेम रखते हैं, तो परमेश्वर का प्रेम आप में है ही नहीं।"

105 लोग ऊपर–नीचे कूद सकते हैं, और सारी रात्रि चिल्ला और अन्य भाषाएं बोल सकते हैं जैसे टीन खड़खड़ाता हो; और दूसरे दिन प्रातः निकलकर गुस्से से लड़ाई, बुराई करते हैं, और सीधे बाहर जाकर और कलीसिया में कुछ बताते हैं जिससे कि सारी कलिसिया टूट जाती है। यह संसार में कुछ नहीं केवल बहकाने वाली प्रेत आत्माये है! वापस वचन पर आना चाहते हैं, जहां परमेश्वर शुद्धता पवित्र है। आमीन। यह ठीक बात है। बहकाने वाली आत्माएं परमेश्वर के वचन को दोहराती है!

106 यहां अधिक समय नहीं हुआ एक व्यक्ति ने एक साधारण सी महिला को लिया... वहां कैथोलिक में ऐसी दर्जनों है। उसके रजोनिवृत्ति के समय यह उसके हाथों और माथे पर आ गया। यदि एक अच्छा पवित्र आत्मा से भरा प्रचारक... मैं सोचता हूं। उस व्यक्ति के पास उस चीज से मेरी बोतल थी जो उसके हाथों से निकला, चारों ओर लोगों को उससे अभिषेक करता फिर रहा था। छी! अनुग्रह! यह मसीह विरोधी है! मैं चिंता नहीं करता कि लहू उसकी नाक से या सिर से, या कहां से निकला, भाई, परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के लहू का स्थान और कोई नहीं ले सकता। केवल वही लहू है जिसके विषय में मैं कोई बात जानता हूं। वह अपने एक हाथों से तेल डालती है, और दूसरे से दखरस, परंतु यदि आप इसे किसी भी रूप से धार्मिक करके उपयोग करते हैं, तो यह शैतान है। यह देखकर कि कैसे प्रचारक इस प्रकार की चीज में गिरेंगे, जैसे कि यह है!

107 हमें किस बात की आवश्यकता है कि हम वापस मार्गदर्शक की पुस्तक पर लाए, वापस परमेश्वर के वचन पर! यह परमेश्वर का वचन है, यह पुरानी आशीषित बाईबल। कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं मुझे ऐसा होने में डरता हूं। मुझे भय हैं कि मैं अपना आनंद खो दूंगा।" क्या मामला है? आप नहीं जानते कि आनंद क्या है।

108 मैंने कहा है कि मैं शराबी को उसके पीए जाने के लिए कि बाहर जाकर पी लेता हूं दोषी नहीं ठहराता। वह तो सब उसका स्वभाव है। वह नहीं जानता। वह प्रात: उठता है, उसका सिर भारी हो जाता है। बाहर जाता है और अपने लिए दो या तीन बोतल बीयर की लेता है, और जाकर कुछ व्हिस्की, और इसी प्रकार की चीजें लेता है।

एक सिगरेट में पीछे बैठकर कुश लगाता, और धूम्रपान करता और अपनी नाक से ऐसे धुआ निकलता है जैसे कि वह मालगाड़ी हो। बस यही है। मैं उस पर दोष नहीं लगाता, वह इसी आनंद को जानता है। वह केवल इतना ही जानता है। वह स्वभाव से सूअर है।

109 लज्ज़ा की बात है आप जो अपने को मसीही कहते हैं और आनंद के लिए ऐसी चीजों पर निर्भर करते हैं, जबकि पवित्र आत्मा का सुसमाचार कुछ नहीं परंतु एक महान बड़ा आनंद का शक्ति स्रोत है। पवित्र आत्मा का सुसमाचार हर व्यक्ति के लिए एक सिद्ध उन्माद है जो दु:खी अवस्था में हो। आप यीशु मसीह के सुसमाचार का एक पेय पीयेगे और पवित्र आत्मा से भर गए, तो आप जब तक यहां संसार ना छोड़ेंगे आप मतवाले रहेंगे, आमीन, ना बता सकने वाला आनंद और महिमा से परिपूर्ण। एक निरंतर उत्तेजना। यह निरंतर एक आनंद, दिन और रात मतवाला। आमीन। यह परमेश्वर का वचन है।

110 कलीसिया आती है और दूसरी बातें ग्रहण करती है। उन्हें बाहर समुद्र के किनारे जाकर एक दावत करनी है, कि मनोरंजन कर सके। एक साथ मिलकर संगति के लिए, ताश। यह ठीक बात है। कभी–कभी, किसी सदस्य के घर में नाच कभी–कभी आराधनालय के नीचे तैखाने में। नाच को अपना कर कुछ अपने को संतुष्ट करने का प्रयास। क्या मामला है? वे जो भी है सूअरों का एक बड़ा झुंड है। वे आरंभ से ही सूअर है। यदि वे कभी भी मसीह के संपर्क में आए, तो उनको इतना आनंद होगा, कि वे बातें उनके लिए अर्धरात्रि से भी अधिक मृत् होगी। सुसमाचार आत्मा से पीया गया एक ना प्रगट कर सकने वाला और महिमा से भरा हुआ आनंद है।

111 पापी को दोषी ठहराओ; उस पर दया करो। उसे जाकर उसका धूम्रपान करने दो, उसे अपनी शराब पीने दो, उसे अपनी ताश की टोली में होने दो। यही उसका आनंद है। उसे दोष ना दें। घर वापस थकी मांदी अवस्था में आता है, वह कुछ आनंद करना चाहता है। और वह चीज जो आपके

करने के लिए है कि ऐसा भक्ति पूर्ण जीवन जीए ताकि आप उसे यह सिद्ध कर सके कि सुसमाचार उसके लिए अपने में दस हजार गुना अधिक आनंद रखता है। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] और यदि वह उस अवस्था में मर जाता है तो वह अपनी शराब के आधार पर नरक में जाता है। यह शैतान का आनंद है। यदि वह उस पुराने तंबाकू के पाईप को पीते हुए मरता है, तो परमेश्वर उसका न्यायी है। यदि वह बाहर जाकर नाचते हुए और अश्लील वस्त्र पहन कर इधर–उधर घूमते हुए मर जाता है, तो परमेश्वर उसका न्यायी है।

112 परंतु एक बात है यदि आप पवित्र आत्मा के अभिषेक की सामर्थ में, जैसे स्तफनूस मरा आप मरते हैं जब उसने ऊपर परमेश्वर के मुख को देखा, और कहा, "मैं स्वर्ग को खुला हुआ देखता हूं और यीशु दाहिनी ओर खड़ा है," आप स्वर्ग में बंधे है जैसे मार्टिन अपने बॉक्स से। आमीन।

113 बहकाने वाली आत्माएं परमेश्वर के वचन को दोहराती है! छोड़ दो, और चले। "भाई ब्रन्हम, आप इसे कैसे करते हैं?" चलिए चले। आपको केवल यही करना है। परमेश्वर के वचन को ले। किसी चीज को करने का यत्न ना करें। वेदी पर जाकर और सर पटकने और चिल्लाने ना जाए, "परमेश्वर मुझे पवित्र आत्मा दे! प्रभु मुझे पवित्र आत्मा दे!" वह वेदी पर हाथ पैर पटकने से आपके पास नहीं आएगा। इससे कुछ लाभ ना होगा। नहीं। वह इस प्रकार से नहीं आता। यह उसे उसके वचन के आधार पर लेने से आता है!

114 पतरस को देखिए। पतरस संकट में था, प्रतीत हो रहा था कि वह मरने जा रहा है। और उसने प्रभु को पानी पर चल कर आते देखा। और उसने कहा "प्रभु, यदि तू है तो मुझसे आने को कह।"

प्रभु ने कहा, "आ जा।"

115 अब पतरस कहता, "अब प्रभु एक मिनट प्रतीक्षा करो, मुझे चालीस दिन के उपवास पर जाने दे ताकि देखूं कि क्या मैं पानी पर चल सकता हूं कि नहीं। ओह प्रभु, मुझ पर इतना आत्मा आ जाए, ताकि मैं इस नाव में आत्मा में नाच सकू और अन्य भाषा में बोल सकूं, तब मैं बाहर निकल सकता हूं"? नहीं श्रीमान! उसने परमेश्वर को उसके वचन पर लिया, तोड़ दे और निकल चले। परमेश्वर निकल ले निकाल ले जाएगा।

116 क्या होता यदि परमेश्वर मूसा से मिलता और वह कहता, "मूसा मिस्त्र में जाओ और फिरोन को बताओ, 'मेरे लोगों को जाने दे'"? क्या हो यदि मूसा कहता, "मुझे चालीस दिन के उपवास पर जाने दे देखूं कि यदि मुझे इतना विश्वास मिले कि मैं तुझ परमेश्वर की बात का पालन करूं। मुझे कुछ और कुछ और दे प्रभु, मैं आपको कुछ बताऊं। पहले मैं देखूं यदि मैं आत्मा में आ जाऊं"? मूसा ने कभी कोई प्रश्न नहीं पूछा, उसने केवल परमेश्वर को उसके वचन पर लिया और चल दिया। इसी प्रकार से आपको करना है, परमेश्वर को उसके वचन पर ले। तब आप जानते हैं कि आप इसे करने के योग्य होगे। उसने प्रतीक्षा नहीं की कि जब तक की कुछ हो ना जाए, वह केवल आगे बढ़ा और उसे कर दिया।

117 एलिय्याह के विषय में क्या है जब वह कार्मेल पर्वत पर से उतरा, क्या वह वहां लंबे समय तक रहा? और वह एक निर्धन विधवा से मिला। वह एक... वह एक परदेसी थी, एक अन्यजाति। और जब वह उससे वहां मिला, तो वह वहां मैदान में कुछ लकड़ियां बीन रही थी। और परमेश्वर ने उसे बताया, "वहां उस विधवा के घर में जा।" प्रचारक के जाने के लिए क्या ही स्थान है!

118 तब वह उस विधवा के घर में जाता है। और जब उसने लकड़ी बीनी उसके पास दो लकड़ियां थी। कहा, "तू क्या कर रही है? "

119 बोली, "कुछ लकडियां बीन रही हूं। मेरे पास केवल इतना ही आटा है कि दो एक रोटी बनाऊं। बस इतना ही बचा है। पिछले तीन वर्षो से कोई वर्षा नहीं हुई है।" और कहा, "तो अब मैं यह रोटियां बनाने जा रही हूं। और मैं और मेरा लड़का इन्हें खाकर मर जाएंगे।"

120 उसने कहा, "पहले मेरे लिए एक बना!" हाल्लेलुय्या! ओह, मैं जानता हूं मैं थोड़ा सा उत्तेजित हूं, परंतु मैं जो भी हो प्रभु की ओर हूं। कहा, "पहले मेरे लिए एक बना क्योंकि, **यहोवा यो कहता है।**" आप यही इसी स्थान पर है।

121 यह क्या है? "पहले परमेश्वर के राज्य और धर्म की खोज करो।" परमेश्वर के राज्य की खोज "दबी इच्छा" से नहीं, परमेश्वर के राज्य की खोज "एक थोड़ी भावुकता से," ना की परमेश्वर के राज्य की खोज और "थोड़ा *यह* और *वह।*" परन्तु, "परमेश्वर, और उसकी धार्मिकता, और यह सारी चीजें तुम्हें मिल जाएगी।" पहले उसे रखो!

122 अब उस विधवा ने यह सुना था। "विश्वास सुनने से आता है, सुनना उसके वचन से।" उसने कहा, "यह परमेश्वर का वचन है, क्योंकि यह परमेश्वर का पवित्र जन है। यह परमेश्वर का भविष्यवक्ता है, और मैं जानता हूं कि यह सत्य है। और यह परमेश्वर का वचन है।"

123 अब, वह पड़ोसियों के पास यह पूछने को नहीं भागी की इसे कैसे करूं। अब वह पड़ोसियों के साथ नहीं चाहती थी... कि पड़ोसियों को बताए, कहे, "अब, आप क्या सोचते हैं? प्रचारक मेरे घर पर है *यह* कह रहा है। सूसी, तुम *इस* विषय में क्या सोचती हो? "

124 वह भीतर गई, और पलटना आरंभ कर दिया। वह चल पड़ी। वह जो कुछ भी उसके पास था उसी के साथ चल पड़ी ताकि और पाए। और आज संसार को इसी की आवश्यकता है, एक पुराने चलन का जो कुछ तुम्हारे पास है उसी में बढ़ चलो। हाल्लेलुय्या! उसने पलट दिया, ताकि वह भरा हुआ पा सके। उसने सारा तेल जो उसके पास या पलट दिया, सारा आटा जो उसके पास था, प्रचारक को, परमेश्वर के राज्य को। और जब उसने सारा वहां पलट दिया, परमेश्वर उतर आया आटे के बर्तन को भर दिया, तेल की कुप्पी को भर दिया। उसने फिर प्रचारक के प्लेट में पलटा। और उसने आकर फिर उसे भर दिया। उसने पलटा। हर बार पलटा हर बार भर दिया।

125 आज मैं कहूंगा यदि मनुष्य वह सब अर्थहीन जो वह लिए फिर रहा है पलट देगा, और मसीहत की नकल करना, और पवित्र आत्मा इसका स्थान ले ले, तो इस आठवीं पेन गली में बेदारी आरंभ हो जाएगी यह इस सारे राष्ट्र को आसानी से जीत लेगी। अर्थहीन बातें छोड़ दे परमेश्वर के वचन पर वापस आ जाए। सब उड़ेल दें ताकि आपको भरा जा सके। आप बढ़े और परमेश्वर आने देगा। आप उड़ेल दो, परमेश्वर अंदर भर देगा। सारी बेकार बातें, "आपको *यह* करना है, आपको *वह* करना है, और आपको *यह* करना चाहिए; और *वह* करना चाहिए।" इसे भूल जाए! अपने प्राणों में से उड़ेल दीजिए!

126 कहे, "परमेश्वर मुझे इस सब में से... आज के दिन से मैं पूर्णत: तेरा हूं। प्रभु, मैं टूटे हुए ह्रदय के साथ आता हूं मैं पश्चाताप की आत्मा के साथ आता हूं। मैं आपसे प्रेम करता हूं। आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूं। और मैं यह सारी मूर्खताये भूल जाना चाहता हूं यह सारे चालीस दिन के

उपवास और देखूं यदि हो सके तो मैं परमेश्वर के समीप आ जाऊं, और सब *यह, वह* और *दूसरी* अर्थहीन बातें।"

127 इसे रोक दे! वचन में ऐसा कुछ नहीं है जो आपको चालीस दिन का उपवास रखने को कहता हो। एक भी चीज नहीं। संसार में कोई चीज आपको उपवास रखने के लिए नहीं कहती, जब तक परमेश्वर ना कहे। यदि आप उपवास रखते हैं तो आपको भूख नहीं लगेगी, और यह सारी चीजें करें। भाई जैसा कि आप उपवास रखते हैं, आप सारे समय आनंदित और प्रसन्न रहेंगे। कहा है, "कि मनुष्यो के सामने अपने को ढोगियों के समान प्रगट ना करो, मुरझाया चेहरा। मैं चालीस दिन के उपवास पर हूं। मेरी कमर में पेन्ट अब सही फिट नहीं आएगी। मैं तीस पौंड घट गया, और उन्होंने कहा है जब यह समाप्त हो जाएगा तो तुम अच्छे दिखोगे।'" ओह, अर्थहीन! यह शैतान की बहकाने वाली आत्मा है।

128 वेदी पर जाये और कहे, "महिमा, महिमा, महिमा" जब तक कि आप कुछ और बोलने योग्य ना रह जाए, और कहा, "इससे पहले कि तुम्हें पवित्र आत्मा मिले अन्य भाषा में बोलना है।" बेकार की बात है! उसे बाहर निकाल दीजिए!

129 उसे अपने तंत्र में से बाहर निकाल दें और परमेश्वर के वचन पर आ जाए! उसने कहा, "उस में प्रत्येक प्रायश्चित करें, और अपने–अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।" परमेश्वर अपने वचन को पूरा नहीं करता है, तो वह परमेश्वर नहीं है। आमीन। बाहर फैंक दो। भर जाओ। आमीन। ओह! मुझे यह पसंद है। यह उसका वचन है। परमेश्वर ने ऐसा कहा। यह ठीक बात है। और जब परमेश्वर ने ऐसा कहा है तो परमेश्वर इस बात की चिंता नहीं करेगा। ठीक बात है। सारी तैयारियां जो आप करते हैं, यह सारा कि कलीसिया में जाना जो करते है...

130 यह यहां पर इस प्रकार से है, जहां पर वे ढेर सारे माल ढोने के बड़े–बड़े बॉक्स बनाते है, या बड़े ढेर सारे सवारी के डिब्बे। मैं वहां कार्य किया करता था। और वे लेकर वहां बड़े–बड़े यान बनाया करते थे और बहुत कुछ, और कठोर लकड़ी लगाते और उसके चारों और भीतरी अस्तर लगाते, और हर चीज सुंदर ढंग से वहां रेल की पटरी पर ले आते, और वह ऐसे ही मृत होते

जैसे दरवाजे की कील। उसमें इंजन बैठाते, उसमें कोई भाप ना होती थी। वह बस वहां लगा होता।

131 आज उसे किस की आवश्यकता है, बोयलर में थोड़ी आग। आज किस चीज की आवश्यकता है थोड़ी सी भाप। आज कलीसिया को किस की आवश्यकता है; कि खौले सबसे अधिक खौलाने कि वस्तु क्या है कि पाप को उबालकर अपने जीवन से बाहर निकाल दे, वह प्रेम है। यदि आप एक दूसरे से प्रेम नहीं कर सकते, तो आप परमेश्वर से कैसे प्रेम कर सकते हैं जिसे आपने नहीं देखा है? प्रेम पाप के ढेर को छिपा देता है। परमेश्वर से प्रेम कर ले, तब आप एक दूसरे से प्रेम करेंगे, तब आप कलीसिया से प्रेम करेंगे, आप हर वातावरण से प्रेम करेंगे, आप हर चीज से प्रेम करेंगे जो परमेश्वर से है, और आप संसार की वस्तुओं से अलग रहेंगे।

132 भरमाने वाली आत्माएं चारों ओर लोगों को घूम–घूम कर बता रही है *यह, वो*, या *दूसरी*, "उन्हें *यह* करना है। उन्हें *वह* करना है।" नामधारी कलीसियाये बनने का यही कारण है और वे कहते हैं कि उन्हें थोड़ा सा प्रकाशन मिला है, "ठीक है, अब, मैं विश्वास करता हूं कि वह मनुष्य... मैं ऐसी बात में विश्वास करता हूं जैसे कि बाईबल में चिल्लाना है।" यह ठीक है। यह सत्य है। उन्होंने इसमें से नामधारी कलीसिया बना ली, "जब आप चिल्लाते हैं, तो आपको मिल गया।" परंतु आपको नहीं मिला।

133 अगला वाला उठकर कहता है, कहा, "अन्य भाषाएं बोलो।" यह ठीक है। यह बाईबल में है। "भाई, जब आप अन्य भाषाओं में बोलते हैं, तो आपको मिल गया।" परंतु बहुत सो ने अन्य भाषाएं बोली और उनके पास नहीं है। समझे? यह वह नहीं है। नहीं, श्रीमान।

उन में से बहुत से कहते हैं, "ठीक है, हमें भविष्यवाणी करनी है।"

134 इन भविष्यवक्ताओं को देखिए, उनके सिरों पर सींग है ऊपर नीचे कूद रहे हैं और भविष्यवाणी कर रहे है। मिकायाह ने कहा, "तुम सब के सब झूठ बोल रहे हो।" आमीन। ठीक है। परमेश्वर इस प्रकार नहीं आता है। परमेश्वर निष्कपट ह्रदय में प्राश्चित टूटे आत्मा के साथ आता है। "वह जो आंसू बोता हुआ बढ़ता है, निसन्देह आनंद के साथ फिर वापस आता है, अपने साथ मूल्यवान पूले लाते हुए।" आमीन। मित्रों इसे ठीक कर लो।

135 प्रेत विज्ञान, प्रेत मनुष्य ने प्राणों में कार्य कर रहे हैं! देखिए उनके फल कहां लगते है। ध्यान दें व्यक्ति किस प्रकार का जीवन व्यतीत करता है।

देखिए वे कैसे कार्य कर रहे हैं, देखिए जैसा वे करते हैं, देखिए उनके उद्देश्य क्या है। यह बिल्कुल असंभव है... और यदि मैं आपको बताऊं कि, "केवल एक मार्ग... यहां सारे थान लाइन में है। चार्ल्स टाऊन में स्वर्ग है। आप चल नहीं सकते। केवल एक विधी है कि आप जाये वह कार है। और हर व्यक्ति जो पंक्ति के पार जाता है उसे पांच गैलन तेल लाना चाहिए।" यहां उसकी कार है, परंतु यदि उसके पास तेल नहीं है तो वह उसे चला नहीं सकता। यही बिल्कुल ठीक सिद्ध मार्ग स्वर्ग में है। यदि आप परमेश्वर के बिना मर जाते हैं, मैं चिंता नहीं करता कि आपने कैसा जीवन व्यतीत किया और आपने कितनी कारे बनायी, यदि आप में परमेश्वर का प्रेम नहीं कि आपको परमेश्वर के राज्य में खेच ले, तो आप नष्ट हो गये।

136 वहां एक ऋणात्मक और धनात्मक है। इससे कोई मतलब नहीं कि यहां कितनी धनात्मक बिजली बह रही है, यदि इसमें पृथ्वी में जाने वाली तार नहीं है, तो यह उजियाला कभी नहीं देगी। यह ठीक बात है। आपको परमेश्वर के प्रेम के आधार में होकर ही निकलना है। ओह भाई! ऋणात्मक और धनात्मक को एक साथ लाए, आपके पास ज्योति होगी, पुराने चलन की सुसमाचार की ज्योति। हम इसे एक से दूसरे किनारे तक फैला दें। इसके बिना आपके पास कभी ना होगी। इससे कोई मतलब नहीं कि कितना हिलना और कूदना और बिना घनात्मक के साथ कर सकते है, आपके पास भूमि में एक तार होना चाहिए कि ज्योति जल सके। आमीन।

137 क्या आपने कभी ध्यान दिया? आपने यहां जमीन के अंदर इसमें एक तार लगाया, और हर चीज वहां वापस सब स्टेशन में जाती है, सीधे नीचे पृथ्वी में। और हर बार एक व्यक्ति परमेश्वर के वचन से जुड़ता और उसमें गड़ जाता है, वह उससे कलवरी में जुड़ता, और गड़ता है, सामने, जहां लंगर परमेश्वर से बधंने वाला स्तंभ वहां सुसमाचार की ज्योति को चमकता है। आमीन।

138 आप जानते हैं कि क्या बात है? लोग इस महान बड़े ठंडे लावारिस मुर्दा घरो में है सुसमाचार प्रचार करने का बहाना कर रहे है। कल मेरे पास एक छोटा प्रचारक आया, एक बड़े नामधारी कलीसिया का था आज बाहर मैदान में कैथोलिक से बाहर है। उसने कहा, "भाई ब्रन्हम मैं बीमार और थका हुआ हूं।" कहा, "कि वह हम सब प्रचारक लोगो को वस्त्र और गोल कालर पहनायेगे, और—और कुछ निश्चित बातें प्रचारेगे। और वे हमें

बताएंगे कि हर तिमाही में क्या प्रचार करना है।" उसने कहा, "मैं इसमें और अधिक नहीं टिक सकता।" उसने कहा, "मुझे क्या करना चाहिए? क्या मुझे सुसमाचार प्रचार आरंभ कर देना चाहिए? "

139 मैंने कहा, "भाई, जब तक आप नामधारी मत के साथ है उसका सम्मान करें। और वही कहे जो वे चाहे। परंतु अपने प्रेसबीटेर या राज्य के सुप्रिंटेनदेंट के पास जाए, और कहे, 'श्रीमान, मैंने परमेश्वर के आत्मा के द्वारा फिर से जन्म पाया है। यहाँ परमेश्वर का वचन है। यदि आप मुझे यह प्रचार करने देंगे, तो मैं आपकी कलीसिया में टिकुंगा। यदि आप नहीं तो मैं चला गया। यह किसी और को दे दीजिए।" इसे करने का यही तरीका है। इधर उधर झाड़ियों में डंडे ना चलाये। नकारात्मक ना हो। बाहर आये और वही कहे। जो ठीक है।

140 उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, क्या आप सोचते हैं कि मेरे पास कलीसिया होगी? "

141 मैंने कहा, "जहां लोथ होगी वहां उकाब इकट्ठे होंगे।" यह ठीक बात है, वे अनुकरण करेंगे।

142 जैसे कि एक बार एक आदमी ने मुर्गी के बच्चे अंडों से निकलवाए। अब, यह उपवास नहीं है। इससे मेरा अर्थ उपहास नहीं है। मेरा अर्थ एक नुस्खे से है। वह अपने चूजो के लिए तैय्यारी कर रहा था, उसके पास पर्याप्त अंडे नहीं थे। उसने उसके नीचे एक बत्तख का अंडा रख दिया। और जब भी सब अंडों से बाहर निकले, तो बत्तख का बच्चा चूजो की दृष्टि में एक अजीब दिखने वाली चीज था। इसलिए मुर्गी चूजो से बोलेगी और छोटी चूजे आयेगे, परंतु बत्तख वह भाषा नहीं समझता। परंतु एक दिन बड़ी मुर्गी सबको पिछवाड़े ले गई। वहां पीछे पिछवाड़े एक ताजे जल का नाला था। जब उस छोटे बत्तख ने पानी की सुगन्ध ली, वह पानी के पास जितनी जल्दी हो सकती थी पहुंचा। बड़ी मुर्गी ने कहा, "को, को, को।" और छोटे बत्तख ने कहा, "होंक, होंक, होंक।" वह पानी की ओर बढ़ रहा था। क्यों? स्वभाव से वह बत्तख था। भाई जब उसे पानी की गन्ध लगी तो वह उससे दूर ना रह सका, क्योंकि वह बत्तख था।

143 और आज मैं यह कहता हूं, कोई भी लोग जो कि वास्तव में परमेश्वर को पाना चाहते है, उन पर कोई भी कलीसिया प्रभुता ना करें उन बातों के लिए कि वे जीवित ना रह सके, *यह* या *वह*। यदि आप में परमेश्वर

का स्वभाव है, तो आप पवित्रताई की ओर जाएंगे। आप सही बात के लिए जाएंगे। आप सही बात का पक्ष लेंगे। आप सही कार्य करेंगे। आप सही बात सोचेंगे। आप सही बातों को जीएंगे। यदि आप बत्तख है, आप पानी पसंद करते हैं यदि आप मसीही हैं। आप मसीह को पसंद करते है। यदि आप एक दृष्ट है, तो शैतान की बातों को पसंद करते है। यदि आप एक बाज है, तो आप मृत वस्तुये खाते हैं। यदि आप एक सूअर है, तो आप गंदगी खायेगे। आप आज आप कहां हैं? ठीक है। आप यहां होने का दावा करते हैं प्रभु की चीजें खाते हैं, तब जाकर और शैतान के साथ जुड़ जाते है। तो इसमें कुछ गड़बड़ है। उन आत्माओं की सुनना छोड़े; वे शैतान है। इससे कोई मतलब नहीं यदि आपको अकेले खड़ा होना पड़े। पुरुष और महिलाएं जो कभी भी किसी वस्तु के लिए बराबर बने, वे पुरुष और महिलाये ही थी जो परमेश्वर के साथ अकेले खड़े रहे।

144 मिकायाह को देखिए, वह कैसे वहां खड़ा रहा, जिब्राल्टर की चट्टान के समान नहीं, परंतु युगों की चट्टान के समान। उसने कहा, "मैं कुछ नहीं बोलूंगा... धर्म विद्यालय क्या कहते हैं मैं चिंता नहीं करता। मेरी सभा क्या कहती है मैं चिंता नहीं करता। राजा क्या कहता है मैं चिंता नहीं करता। यदि वे मेरा सिर भी काट दे, मैं केवल वही कहूंगा जो परमेश्वर मेरे मुख में कहने को डालेगा।" वह सही था। वह सही था।

145 और आज पुरुष और महिलाएं, संसार पर ध्यान ना दो कि उसके पास उस तुम्हारे लिए क्या है, उसमें कौन से मनोरंजन के साधन है, उनके पास बैक्टीरिया से संरोपण करने के लिए किस प्रकार का बैक्टीरिया है और दावा करते हैं, "यदि आप कलीसिया के सदस्य बन जाते हैं तो आप सही हो जाएंगे।" यह झूठा सरोपण है। क्यों? आपको अब भी पाप का रोग है। यह ठीक बात है। परंतु भाई मैं आपको एक बात बताता हूं, जो आपका पाप से सरोपण करेगा, वह प्रभु यीशु मसीह के बहुमूल्य लोहू से आता है और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, और यह आपको सारे पापों से सरोपण करेगा, और आप स्वर्गीय इच्छा से बंध जाएंगे, और आपके पास संसार की वस्तुओं के लिए समय नहीं होगा।

हम प्रार्थना करेंगे।

146 हमारे स्वर्गिय पिता, जब हम इन भरमाने वाली आत्माओं को लोगों के ऊपर देखते है, और यह जानते हुए कि वे परमेश्वर की चीजों को तुच्छ

समझते है, मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आप हर मनुष्य पर नियंत्रण रखेंगे और जो महिला आज यहां है। प्रभु आज का दिन ऐसा हो कि वे यह अनुभव करें कि उनके जीवन परमेश्वर के वचन के साथ मेल नहीं खाते। और यह लोग गलत चीजों को सुन रहे थे कि शैतानों उन्हें पुरानी सच्ची कहानियों कि पत्रिकाओं से सुख कि अनुमति दे रहा था, संसार की पुरानी सड़क सड़ाहट, पुराने सिनेमा के शो और गंदे टेलिविजन। ओह परमेश्वर, एक मसीही के लिए असंभव है कि ऐसी चीजों को देखें! परमेश्वर, यह हमें पीडीत करता। आपने कहा इससे तुम पीडीत हो जाओगे, जैसे कि उल्टी होने को हो। आपने कहा, "एक कुत्ता अपनी उल्टी को चाटने जाता है, और एक—और एक सुअरनी कीचड़ में।" एक पुराना कुत्ता कुछ उल्टी करेगा। एक पुराने आधे जन्मे को देखिए, जो कि एक ढोगी के समान वेदी पर आता है, और जैसे कि आप संसार को उल्टी करके निकाल देगे; तब भी उसके साथ बने रहते हैं वे वापस आकर उन वस्तुओं को फिर से खाते है। ओह परमेश्वर, अपने भवन को साफ कर। हाल्लेलुय्या! पुराने समय के समान पवित्र आत्मा के दृढ़ विश्वास को भेजें जो मनुष्य की भूख को मिटा सके और उसके प्राण को निर्मल, और उसे निर्मल और उसे स्वर्ग संबंधी जीव बना दे। उसे दे... उसके यौवन को नया कर दे और उसकी प्रतिज्ञाये उकाब के समान हो, ताकि वह चढ सके, और इस संसार की चीजों को पीछे छोड़ दें, और ऊपर आकाशो में उड़ान भरे जहां से वह दूर से आती पिढाओ को देख सकता है। प्रभु, इसे ग्रहण करें।

147 आप अपने भविष्यवक्ताओं को उकाब के समान बनाते हैं, जिनके पास एक उकाब की आंखें थी जो ऊपर जा सकते थे और बातों को बहुत पहले देख कर इसके पहले कि वे वहां आये। ओह परमेश्वर, इस छोटी कलीसिया को आशीषित करें। जो लोग यहां आए हैं उन्हें आशीषित करें। जो यहां आज अनजान है उन्हें आशीषित करें। और वे जाने कि यह संदेश किसी को व्यक्तिगत रुप से संकेत नहीं करता है। परंतु प्रभु विशेष तौर पर उनके लिए निर्देशित हैं, जो बहुत ही आवश्यकता में है; यह जानते हुए कि किसी दिन हमें एक साथ परमेश्वर के न्याय के सामने खड़ा होना है, और यह जानते हुए कि हम इसके लिए उत्तरदायी ठहरेंगे कि सत्य जानते हुए उसे नहीं कहा। पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि हर हृदय के ऊपर छा जाए। यीशु के नाम में।

148 एक क्षण अपने झुके हुए सिरों के साथ, मैं अचरज में हूं यदि यहां कोई

इस प्रातः यह कहेगा, "भाई ब्रन्हम मैं इन मामूली पुरानी चीजों से पीडीत और थक गया हूं। मेरे साथ बहुत सी चीजें हैं जो बहुत समय से मेरे साथ लगी है। मैं—मैं हमेशा अपने से अधिक बोलता हूं। मैं—मैं वह चीजें कर रहा हूं जो मुझे नहीं करनी चाहिए और मैं यह जानता हूं। एक मसीही होने के लिए नहीं है। मैं यह नहीं करना चाहता; परमेश्वर जानता है कि मैं नहीं चाहता। और मैं उस पुरानी आत्मा की और अधिक नहीं सुनना चाहता हूं। यही चीज है जो मुझे सारे जीवन भर मसीह की स्वतंत्रता और उसके वास्तविक प्रेम से अलग दबाए रही। मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए प्रार्थना करें, ताकि भाई ब्रन्हम, वह—वह मुझे आज से छोड़ दे।" क्या आप अपना हाथ उठाएंगे? हर सिर झुका हुआ है। परमेश्वर आपको आशीष दे। ओह, प्रभु दर्जनों हाथ है! एक छोटी–छोटी बातें छोटी–छोटी पुरानी चीजें जो आप से बुलवाती है या किसी प्रकार का कलीसिया में विवाद उत्पन्न करती है, और आपको विवश करती है कि आप इधर या उधर की ओर हो जाए। ओह अभक्ति पूर्ण है। यह भाइयों के बीच में एक विरोध है। और यह ना क। आप यह नहीं चाहते। आप यह नहीं चाहते और छोटी–छोटी पुरानी बातें, थोड़ा पुराना गुस्सा और हर चीज जो दबाए रखती है।

149 कहे, "परमेश्वर मैं अब उस चीज को और नहीं चाहता हूं। मैं इससे परेशान और थक गया हूं। मैं आज इसे निकालने के लिए तैयार हूं। प्रभु, अब मैं आ रहा हूं, प्रभु, और अपने सारे स्वार्थीपन से अलग हो जाना चाहता हूं। यदि मेरा भाई मुझसे सही व्यवहार ना करे, तो भी मैं उसके लिए प्रार्थना करूंगा। यदि मेरे पिताजी मुझसे सही व्यवहार ना करें, जो भी हो मैं उनसे प्रेम करूंगा। यदि मेरी पत्नी मुझसे सही व्यवहार ना करें, या मेरा पति मैं परमेश्वर के सम्मुख नम्र होकर जाऊंगा। प्रभु, मैं केवल आपके राज्य को देखता हूं। मैं अपने मस्तिष्क को सीधा रखना चाहता हूं। मैं चाहता हूं मेरा ह्रदय प्रेम से भरा रहे। जब परेशानी मेरे चारों ओर मंडरा रही हो, तब मैं उसके विषय में जाना चाहता हूं, और फिर भी मैं अपने हाथों को ऊपर उठाएं अपने ह्रदय को आपके सन्मुख पवित्रताई से स्थिर रखना चाहता हूं, प्रभु, यह जानते हुए कि मैं किसी दिन आपसे मिलूंगा। मैं इस प्रकार का अनुभव चाहता हूं। प्रभु, आज के दिन से मुझे ऐसा ही बना दे।"

150 क्या आप अपना हाथ उठाएंगे, कोई जिसने थोड़ी देर पहले अपना हाथ ना उठाया हो। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष

दे। बहन, जब हमने अपने सिर झुका रखे हैं आप हमें एक छोटा स्वर दे। आपका इससे कितना अर्थ है? अभी ना खेले। यह खेलने का समय नहीं है। यह ग्रहण करने का समय है। यह समय है जब आपको ग्रहण कर लेना चाहिए आइए, इसे अभी पलट दीजिए। क्या आप करेंगे? आइए, जो आपके पास है सब परमेश्वर को दे दे। कहे, "परमेश्वर, मेरे पास बहुत नहीं है। मैं एक छोटी सी घरेलू पत्नी हूं। मैं बहुत कुछ नहीं कर सकती, प्रभु, परंतु मैं—मैं आपकी बाईबल पढ़ सकती हूं, मैं प्रतिदिन प्रार्थना कर सकती हूं। मैं अपनी सारी गंदगी जो मेरे मस्तिष्क में है फैंक सकती हूं। मैं सब चीजें बाहर फैंक सकती हूं। जो प्रचारक ने प्रात: कहा उसमें मैं बहुत सी बातों को दोषी हूं, इसलिए आज मैं—मैं उलट रही हूं। मैं यह नहीं चाहती। परमेश्वर मुझे प्रेम से भर दे। मुझे ऐसी चीज से भर दे जिससे मुझे अपने सबसे खराब शत्रु से जो मेरा है प्रेम करूं। मैं वास्तव में यह चाहता हूं, प्रभु।"

151 जब वह यहां बजा रही है, तो क्या आप यहां वेदी पर आकर अब एक क्षण के लिए खड़े ना होंगे, जबकि हम प्रार्थना के वचन के साथ एकत्र होते है। यदि वास्तव में आपके लिए कुछ विशेष है, यदि वास्तव में आप छोड़ना चाहते हैं, तो आज आप इस वेदी पर से इसे अपने साथ अपने ह्रदय पर लेकर नहीं जाएंगे, यदि आप निष्कपटता से आयेगे। और कहे, "मैं यहां पर एक मिनट खड़े होने के लिए आ रहा हूं, भाई ब्रन्हम, जी हां, जबकि आप मेरे साथ व्यक्तिगत रूप में प्रार्थना कर रहे है।" मैं—मैं प्रार्थना करवाने के लिए आना चाहता हूं। क्या अब आप आयेगे? अपने झुके हुए सिरो के साथ, कौन उठेगा और वेदी पर आएगा, वेदी के चारों ओर खड़ा होगा?

दयालु बचाने वाले मुझे छोड़ ना जाना,
मेरी नम्र पुकार को सुनना;
जबकि आप दूसरों को बुला रहे हैं,
ओह, मुझे ना छोड़ जाना।

उद्धारकर्ता, उद्धारकर्ता,
मेरी नम्र पुकार को सुनना;
जबकि आप दूसरों को बुला रहे है,
ओह, मुझे ना छोड़ जाना।

152 इस से कोई मतलब नहीं कि आप कब से एक मसीह रहे हैं, और अब भी आपमें वह पुरानी आत्माएं जो आपसे बात करती है, आपको निरकुश, आपको किसी के विषय में बात करने देती है। जब कोई आता है और वापस जाकर किसी के लिए कुछ बोलता है, और आप उनके साथ मिल जाते है, ओह, उन्हें भगा दे। भाई, यह गलत है। यह ना कीजिए। अंत में यह आपको प्रतिज्ञा के देश से अलग कर देगा। यदि आप में कोई छोटी सी बात है जो कि नहीं होनी चाहिए, यदि परमेश्वर का प्रेम वास्तव में आपके ह्रदय में नहीं है, क्या आप पुरुष और महिला आकर कहे, "परमेश्वर, मैं अभी इसे उड़ेलने जा रहा हूं, इसी प्रातः, यही, मैं इस अल्टर या वेदी पर से भिन्न व्यक्ति बन कर जाऊंगा।" क्या आप आओगे?

153 क्या कोई पापी है जिसने जिसने कभी यीशु को स्वीकार ना किया हो, जानते हो कि आप पापी है, आप उसे कि वह आपका उद्धारकर्ता है नहीं जानते? आप कहते हैं, "हां, भाई ब्रन्हम, मैंने सोचा मेरे पास बहुत आनंद है। मैं नाच और दावतों में जाता हूं। और वह सारी बातें, मैं गलत प्रकार के प्रदर्शन देखता हूं। और मैं—मैं गलत प्रकार का साहित्य पढ़ता हूं। मैं पुरानी पुस्तकें जिनमे गंदी कहानियां होती है पढ़ता हूं। उन्हें पढ़कर मुझे आनंद मिलता है।" भाई, आपके साथ कुछ गड़बड़ी है। यह आपकी भूख है; देखा, आप मुझे देखने दे कि कोई क्या पढता है और कौन सा संगीत सुनता है।

154 उस दिन कार में साथ–साथ आते हुए, कोई व्यक्ति विशेष से बढ़कर मेरा रेडियो चला दिया, एक प्रकार का भद्दा संगीत। मैंने कहा, "इसे बंद कर दो। मैं यह नहीं सुनना चाहता।" कोई पुरानी असभ्य चीज।

कहा, "मैं क्यों यह सुनना चाहता हूं।"

मैंने कहा, "आपका स्वभाव गलत है। आप गलत है।"

155 जब मैं यहां पर था कुछ दिनों के बाद पहाड़ों की ओर एक व्यक्ति के साथ मछली पकड़ रहा था। वे छोटी– छोटी चिड़ियाये गा रही थी। लारक चिड़िया शोर मचा रही थी। वह पुरानी बुलबल हवा में उड़ रही थी, याने बुलबुल महिमा गा रही थी। मैंने जोर से चिल्ला कर, उस लड़के से कहा, "देखो, यह मेरा संगीत है। इसे चलने दो। यह मेरा रेडियो है। जब मैं यहां हूं तो परमेश्वर ने यहां गाने के लिए भेजा है। इससे मेरे प्राण का आनंद मिलता है।"

156 उस पागलपन की चीजों से अच्छा है, वे पुराने पैसा डाल कर संगीत सुनने की मशीन, शोर मचाता रहता है यहां तक कि आप सार्वजनिक स्थान में खाना भी नहीं खा सकते। यह शैतान का भोजन है। यह शैतान का ढेर सब पाप से मिश्रित है। क्या आप सब उसमें लिप्त हो गए और इसमें मगन है? जब वे उन संगीत के बॉक्स में पैसे डालते हैं, और सारी गंदगी उसमें से निकल कर आती है और आप आनंद लेते हैं? आपके लिए लज्जा की बात है। आप परमेश्वर से पिछड़े हुए हैं। आप परमेश्वर से अलग हैं। आप परमेश्वर को नहीं जानते हैं। यदि आपने परमेश्वर को अपने पापों की क्षमा में जाना होता, तो आप कभी भी इस प्रकार की बेकार की चीज को ना सुनते। यह आपके लिए मृत होती इससे आपको—आपको उल्टी आती आप यह पसंद नहीं करते। आपका भोजन अच्छा है। आप परमेश्वर से प्रेम करते है। क्या आप इस प्रातः आकर इन पापों को स्वीकार करने वालों के साथ घुटने नहीं टेकेगे?

157 यहां पर पुरुष और महिलाएं घुटने टेके हुए हैं, ये लोग वर्षों से मसीही है। मैं उन्हें मसीहत से नहीं हटा रहा हूं। परंतु मैं जो करने का यत्न कर रहा हूं कि उन्हें बताऊं कि शैतान ने उन्हें प्रेत के बंधनों में बांध रहा है, और उन्हें सम्पूर्ण आनंद से अलग रखता है। पवित्र आत्मा आनंद है। ठीक है, मैं पी हुयी दशा में उठा, पीये हुए सोने गया, मैं सारे दिन पीये रहा, सारी रात पीये रहा। ओह, मैं बस—मैं बस उस से प्रेम... करता हूं, मैं इस पर मछली पकड़ने जाता हूं, "ओह नम्र दिन उद्धार करने वाले मुझे ना छोड़ जाना। मेरी नम्र आवाज को सुने।" मैं शिकार पर जाता हूं और परमेश्वर की महिमा गाता हूं। जहां कहीं, मैं... जाता हूं प्रचार कर रहा हूं। क्या आप इस प्रकार के नहीं बनना चाहते हैं? पवित्र आत्मा से भरा हुआ वह आप को उत्तेजित करता है। ओह, प्रभु! उन्हें गंदे गाने गाते हुए सुने, आप इसे गा सकते है:

मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं,
मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं;
ओ कौन आएगा और मेरे साथ जाएगा?
मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं।

मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं,
मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं;

कौन आएगा और मेरे साथ जाएगा?
मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं।

कब मैं उस धन्य विश्राम में पहुंचुंगा,
और सदा आशीषित रहूंगा!
कब मैं अपने पिता के मुख को देखुगा,
और उसके गोद के विश्राम में?

मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं,
मैं प्रतिज्ञा देश के लिए बंधा हुआ हूं;
ओ कौन आएगा और मेरे साथ जाएगा?
मैं प्रतिज्ञा के देश के लिए बंधा हुआ हूं।

158 क्या आप साथ जाने के लिए नहीं आएंगे? मैं स्मरण करता हूं जब लगभग पांच सौ लोग हम में से वहां खड़े थे एक सौ बीस लोगों को बपतिस्मा दे रहा था, जब मैं वर्ष के इस समय के लगभग यहां नदी के किनारे, जब एक महान सितारा चमकता हुआ नदी पर आया। हाल्लेलुय्या! उसमें से एक शब्द बोल रहा था, "एक दिन तुम समस्त संसार में सुसमाचार से फैलाओगे।" कैसे वह निर्धन, छोटा, उपेक्षित से तिहारा ऐतिहासिक लड़का इसको कर सकता था? परमेश्वर का अनुग्रह! आमीन।

159 ओह, कौन आएगा और जाएगा? अलग हो जाओ, अब हर बोझ को एक ओर डाल दो। उन बहकाने वाली आत्माओं की मत सुनो। आकर, परमेश्वर का वचन सुनो, **यहोवा यो कहता है**! "धन्य है वे जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे है, क्योंकि वे तृप्त किए जायेगे।"

160 आइए जब हम प्रार्थना कर रहे हैं तो अपने सिरों को इन सब के साथ जो आल्टर पर है झुकाये।

प्यारे बालको, मैं चाहता हूं कि आप इस प्रातः स्मरण रखें, आप वहां हैं जब आप अपने बोझ को एक ओर रख रहे हैं। आप अपने बोझ को एक ओर रखते है और पाप आपको सरलता से व्याकुल कर देता है। पौलूस ने इब्रानियों के 12वे अध्याय में कहा।

> *... देखते हुए कि... इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा* बड़ा *बादल हमको घेरे हुए हैं, तो आओ हर एक रोकने वाली वस्तु और उलझाने वाले पाप... को दूर करके,...*

अब और क्या कहू? क्योंकि... समय नहीं... रहा कि गिदोन का... बालाक, बाराक... और समसून का... और यिफतह का; और दाऊद... और शमुयेल का और भविष्यवक्ताओं का वर्णन करु:

इन्होंने विश्वास के द्वारा राज्य जीते, धर्म के काम किए; प्रतिज्ञा की हुयी वस्तुएं प्राप्त की सिहो *के मुंह* बंद *किए,*

आग की ज्वाला को ठंडा किया तलवार कि धार से बच निकले निर्बलता में बलवंत हुए, लड़ाई में... वीर निकले... शत्रु भाग गया...

और *स्त्रियो ने अपने मरे हुओ को फिर जीवित पाया...*

और कई एक सताए गए, ठट्ठो में उड़ाए जाने... और कोड़े खाने वरन बांधे जाने और कैद में पड़ने:

और—और कई जो परीक्षाओं... में पड़े ठट्ठो में उड़ाए जाने...

... और विश्वास के द्वारा इन सब *के विषय में अच्छी गवाही दी गई, ...*

इन सबके *विषय में अच्छी गवाही दी गई, तौभी उन्हें प्रतिज्ञा की हुई वस्तु ना मिली:*

क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिए पहले से एक उत्तम बात ठहराई कि वे हमारे बिना सत्यता *को ना पहुंचे।*

इस कारण जबकि गवाहों... का ऐसा बड़ा बादल हमें घेरे हुए है, तो आओं हम हर एक रोकने वाली वस्तु और उलझाने वाले पाप... को दूर करके, जिससे कि *वह दौड़े जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़े,*

और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करने वाले यीशु की ओर ताकते रहे; जिसने उस आनंद के लिए जो उसके आगे धरा था लज्जा की कुछ चिंता *ना करके, क्रूस का दु:ख सहा, और... सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने हाथ जा बैठा।*

161 यीशु ने अपनी प्रार्थना में कहा, "पिता, मैं स्वयं को पवित्र करता हूं।" यीशु कलीसिया के लिए पवित्र हुआ। वह विवाह कर सकता था, परंतु उसने

नहीं किया। वह पवित्र हो गया। उसने कहा, "उन्हें पवित्र कर, पिता सत्य के द्वारा। तेरा वचन सत्य है।"

162 अब हम हर बोझ को एक ओर डाल दे। आपमें क्रोध है? आप में कुछ है जो आपसे बातें करवा देता है जबकि आपको बातें नहीं करनी चाहिए? ओह परमेश्वर! अब उसे वहां रख दीजिए। इसे वहां रख दीजिए, देखिए वेदी की आग नीचे आकर इसे ले जाती है। परमेश्वर के प्रेम को देखिए, इसे साफ कर देता हैं। देखिए पुराना स्वार्थीपन जिस प्रकार से आप अपनी पत्नी से बात किया करते थे, जिस प्रकार से आप अपने पति से बातें करती थी, जिस प्रकार से आप अपने पड़ोसी से बातें करते थे, जिस प्रकार से आप लोगों के विषय में कलीसिया में बातें करते थे, इस प्रातः इसे ऑल्टर पर रख दीजिए और परमेश्वर की आग नीचे आएगी और इसे यहां से ले जाएगी, और उसके स्थान में दिव्य प्रेम की आग जल जाएगी।

163 आपको बीमारी है? उसे ऑल्टर पर रख दीजिए, कहिये, "प्रभु, यह यहां है। मेरे अंदर एक स्वच्छ आत्मा उत्पन्न कर दीजिए। मेरे अंदर चंगाई कि सामर्थ उत्पन्न कर दीजिए।" देखिए परमेश्वर क्या करता है। परमेश्वर इस प्रात: करेगा।

164 हमारे स्वर्गीय पिता हम इनकी ओर से जो आल्टर या वेदी पर है, तेरी उपस्थिति में अपने सिरों को झुकाते है। तेरा अनुग्रह इनमें से प्रत्येक के ऊपर गहरे, पिता। अब जैसे कि ये... प्रभु, मैं इनके लिए नहीं कर सकता। इन्हें यह स्वयं करना है। कोई भी इनके लिए कुछ नहीं कर सकता। इन्हे ही स्वयं करना है। इनके प्राण अब अपने आप में कहे, "ओह परमेश्वर, यह क्रोध मैं इसे यहां रखता हूं, प्रभु। मैं इसे कभी नहीं उठाऊगा। कोई चिंता नहीं क्या होता है, अब से मैं जाने दूंगा। मेरी यह जुबान जो कि सरलता से गपशप के झुंड में सम्मिलित हो जाती थी, प्रभु, मैं इसे यहां रखता हूं। मैं इसे फिर कभी नहीं उठाऊंगा। प्रभु, मेरी जुबान को शुद्ध कर दे। मुझे ऐसा अनुभव होने दे जैसे स्वर्गदूत ने यशायाह के साथ किया जब उसने कहा, 'मैं अशुद्ध होठों वाला हूं। हाय मुझ पर!'" और स्वर्गदूत ने आकर चिमटा लिया, और वेदी पर जाकर आग का अंगारा लिया, और उसके होंठों पर रख दिया और उसे शुद्ध कर दिया। परमेश्वर हर बातें बनाने वाले को इस प्रात: पवित्र करें जो गलत बातें करके और विरोध को बोता है। प्रभु यह प्रदान करें।

165 सारे रोग जो इस भवन में झुके हुए हैं, रोगी लोग यह जानते हैं कि वे भी प्रेत है। परमेश्वर आपके दास कि तरफ मैं इन्हें यीशु नाम में डांटता हूं। होने दें कि यह प्रत्येक रोगी व्यक्ति में से बाहर निकल जाए। और हर अशुद्ध व्यक्ति जिसमें अशुद्ध विचार, और अशिष्ट, लालसा, पुरुष और महिलाएं समान है, परमेश्वर, उनमें से बाहर निकाल दे। वे सब जो यहां सिगरेट से पीछा छुड़ाना चाहते हैं, और साधारण सामाजिक पेय, और छोटी–छोटी दावते और स्वार्थी बातें; परमेश्वर, पवित्र आत्मा के द्वारा उनके ह्रदयो को इस प्रकार उत्तेजित करें कि वे बातें अब आगे को उनकी इच्छा ना रहे। उसके लिए कोई स्थान ना हो अब यहां से आगे के लिए, आप पवित्र आत्मा से पूर्ण है।

166 परमेश्वर, इस छोटी सी कलीसिया को जलती झाड़ी बना दे। इसे पवित्र आत्मा का स्थान बना दे इसे ज्वलंत आग बना दें, ताकि संसार पलट कर परमेश्वर की महिमा को देखें। परमेश्वर इन छोटे से लोगों से, लगभग सौ लोग यहां इस प्रातः है इनसे आरंभ करें। प्रभु, इसे ग्रहण करें।

167 प्रत्येक ह्रदय, प्रत्येक मैथोडिस्ट, प्रत्येक बैपटिस्ट प्रत्येक कैथोलिक, प्रत्येक प्रेसबीटेरियन, प्रत्येक पेंटीकोस्टल को शुद्ध करें। प्रभु इनके ह्रदय में से निकाल दें, और आज इन्हें अपने पास आने दे। पिता, इसे ग्रहण करें। मैं इन्हें आपके समर्थन में देता हूं और आपको समर्पित करता हूं, यीशु मसीह के नाम में, इनके प्राणों की शुद्धता के लिए और इनके शरीर की चंगाई के लिए। आमीन।

168 मैं अचरज में हूं कि आपने अपने बोझ को वेदी पर छोड़ दिया है? क्या आप अनुभव करते हैं कि यह वहां रखे हैं? यदि आप अनुभव करते हैं कि यह वहां रखे हैं, आप न्यायी हैं। आप हैं जो प्रार्थना कर रहे हैं। मैंने प्रचार किया है। आप प्रार्थना कर रहे हैं। क्या का बोझ वहां छूट गया, भाई, बहन? क्या आप इसे वास्तव में वहां छोड़ सकते हैं? यदि आप छोड़ सकते हैं अपना हाथ उठाये, कहे, "परमेश्वर अब मैंने इसे वहां छोड़ दिया है। मेरे मतभेद, मैं यहां वेदी पर छोड़ दूंगा।" मेरे दाहिनी ओर वेदी के अंतिम सिरे की ओर, इस विषय में क्या है महिला? क्या आप इसे वहां छोड़ सकती है? क्या आप उस पुराने बोझ को वहां रख सकती है? कहे, "जी हां, मेरा विश्वास तुझे देख सकता है, तू कलवरी का मेमना।" जबकि अब हम एक साथ इसे मिलकर गाते हैं।

मेरा विश्वास तुझे देखता है,
तुझ कलवरी के मेमने को,
ओह दिव्य बचाने वाले;
जब मैं प्रार्थना कर रहा हूं मेरी सुन,
मेरे सारे दोष ले ले,
ओह आज के दिन से
मैं पूरी तरह तेरा हो जाऊं!

169 अब प्रत्येक वास्तविक आदर सहित अपने पैरों पर खड़े हो जाए। अब हर कोई ध्यान पूर्वक सुने। कोई भी ना जाए। थोड़ा सा... सभा अभी समाप्त नहीं हुई है। मैं चाहता हूं कि आप इस छोटी सी पवित्रता को ले ले, इस छोटी सी गंभीरता को।

जब जीवन अंधकार की भूल भुलईया में भटकता हो,
और मेरे चारों ओर दु:ख फैले हो,
तू मेरा मार्गदर्शक होना;
अंधकार हटा कर दिन कर देना,
दु:ख के आंसु को पोंछ देना,
और होने दें कि आज के दिन से
मैं पूरी तरह तेरा हो जाऊं!

अब मैं अपने पड़ोसी के लिए ना गाये। अपनी आंखें बंद करके और धीरे गाये, जैसे कि हम हाथ परमेश्वर की ओर उठाते हैं।

जबकि जीवन के अंधकार की भूल भुलईया में भटकता
होऊं,
और मेरे चारों ओर दु:ख बिखरे हो,
तू मेरा मार्गदर्शक होना;
अंधकार को हटा दिन कर देना,
दु:ख के आंसू पोछ देना,
ना ही कभी फिर भटकने देना
तुझसे अलग।

वहां दूर मेरा पिता है,
वहाँ पर उस ओर मेरा एक पिता है,

वहां दूर मेरा पिता है,
उस दूसरे किनारे पर।

ओह, एक चमकदार दिन, मैं जाऊंगा और उसे देखुंगा,
किसी चमकदार दिन मैं जाऊंगा और उसे देखुंगा।
किसी चमकदार दिन मैं जाऊंगा और उसे देखुंगा,
दूसरे किनारे पर

ओह, वह चमकीला दिन कल हो सकता है,
वो प्रकाशमान दिन हो सकता है कल हो,
वह चमकीला दिन कल हो सकता है,
उस दूसरे किनारे पर।

170 अब मैं अचरज में हूं, कितनों के पास पिता उस दूसरे देश में है? हम आपके हाथों को देखें। कितनों के पास मां उस दूसरे देश में है? हम आपके हाथों को देखें। कितनों के पास बचाने वाला उस दूसरे देश में है? हम आपके हाथों को देखें।

क्या वह प्रसन्नता की भेंट ना होगी!
क्या वह प्रसन्नता की भेंट ना होगी!
क्या वह प्रसन्नता की भेंट ना होगी!
उस दूसरे किनारे पर...

171 मैं चाहता हूं कि आप कुछ करें। अब जबकि हम इसे फिर से गा रहे हैं, मैं चाहता हूं कि जो कोई आपके पास खड़ा हो आप उससे हाथ मिलाये, और कहे, "भाई, बहन, मेरे लिए प्रार्थना करें, ताकि मैं आपसे दूसरे देश आपसे मिलूंगा।" तब तक मत करिए जब तक आप सही में इसके अर्थ को ना ले। कितने एक दूसरे से मिलना चाहते है? कितने यहां हर एक से मिलना चाहते हैं, वहां पर? निश्चय ही हम चाहते है। अब आइए एक दूसरे से हाथ मिलाएं और कहे, "भाई, मैं आपसे मिलना चाहता हूं। मैं आपसे उस पार मिलना चाहता हूं।" अब जबकि हम इसे गाते हैं, "वहां मेरे पास एक बचाने वाला है। ठीक है।

मेरे पास वहां एक बचाने वाला है,
मेरे पास वहां एक बचाने वाला है,
मेरे पास वहां एक बचाने वाला है,
उस वाले किनारे पर।

ओह, किसी चमकदार दिन में मैं जाऊंगा और उसे
देखुंगा,
किसी चमकदार दिन में मैं जाऊंगा और उसे देखुंगा,
किसी चमकदार दिन में मैं जाऊंगा और उसे देखुंगा,
उस वाले किनारे पर।

172 क्या आपको इससे अच्छा अनुभव नहीं होता? "यीशु मुझे रख सलीब के पास।"

यीशु, मुझे रख...
वहां एक बेशकीमत झरना है,
सबके लिए मुफ्त एक चंगाई की धारा,
जो कलवरी से बहता है...

अब हर कोई अपना हाथ उठाएं।

क्रूस के पास, क्रूस के पास,
मेरी महिमा सदा;
जब तक मेरा उठाया हुआ प्राण ना पा ले
विश्राम उस नदी के पार।

उस क्रूस में, उस क्रूस में,
मेरी महिमा हमेशा हो;
जब तक मेरा रेपचर हुआ प्राण ना पा ले
नदी के उस ओर विश्राम को।

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
कलवरी पर।

परमेश्वर की महिमा हो!

173 आइए अब शांति से अपने सिरों को झुकाए। और अपने ही प्यारे ढंग से, हम उसकी महिमा अपने हाथों को उठा कर करें, कहे, "धन्यवाद प्रभु, क्योंकि मेरे प्राण को बचा लिया। धन्यवाद प्रभु, क्योंकि मुझे चंगा किया। प्रभु, तेरा धन्यवाद, उस सब के लिए जो तूने किया, एक मिठास भरा छुटकारा, मुफ्त का उद्धार लाया। प्रभु धन्यवाद।" हम तुझे यह धन्यवाद

की भेंट चढ़ाते हैं। हम तेरी महिमा करते हैं क्योंकि आप बहुत प्रिय है। आप घाटी की कुमुदनी है, भोर का तारा, शेरोन का गुलाब है, सब कुछ है। आप पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा है; वह जो था, जो है, और आएगा; महान अल्फा, ओमेगा। आप एक अद्भुत है, एक शांति का राजकुमार, दाऊद की जड़ और संतान। आप सब कुछ है! और हम तेरा धन्यवाद करते हैं, प्रभु, हम सबके लिए जो तू ने हमारे लिए किया। हम तेरे वचन के लिए धन्यवाद करते हैं, क्योंकि यह हमारे मार्ग के लिए उजियाला है। ओह, प्रभु हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें उजियाले में चलाएंगे। पिता, इसे ग्रहण करें। यीशु के नाम में। आमीन।

ठीक है। जबकि हम एक मिनट के लिए बैठे हैं। "हम ज्योति में चलेंगे।"

हम ज्योति में, क्या ही सुंदर ज्योति है,
वहां आये जहां अनुग्रह की ओस की बूंदे चमक रही है;
हमारे चारों ओर चमक रही है, रात और दिन,
यीशु, ज्योति है...

174 संतो आओ, अब हम इसे गाये!

हम ज्योति में चलेंगे (शुद्ध पवित्रताई), सुंदर ज्योति,
वहां आए जहां अनुग्रह की ओस की बूंदे चमक रही है;
हमारे चारों ओर चमक रही है, और दिन और रात,
यीशु, जगत की ज्योति।

आओ उसे अपना राजा मान ले,
यीशु, जगत की ज्योति;
तब स्वर्ग की घाटियां बजेगी,
यीशु संसार की ज्योति।

प्रत्येक!

हम ज्योति में चलेंगे (मेरे मार्ग की ज्योति), सुंदर ज्योति,
वहां आये जहां अनुग्रह की ओस की बूंदे चमक रही है;
हमारे चारों ओर चमक रही है, और दिन और रात,
यीशु, जगत की ज्योति।

175 क्या आपको अच्छा अनुभव नहीं हो रहा है? कितने अच्छा अनुभव कर रहे हैं? जरा अपने अब अपने हाथ ऊंचे करें और कहे, "मुझे वास्तव

में अच्छा लग रहा है।" पवित्र आत्मा ने आप सब को घेरे में ले लिया है। तब हम (क्या?) ज्योति में चलेंगे। किसी की ना सुने... ज्योति क्या है? "तेरा वचन चिराग है।" इस अब:

हम इस ज्योति में चलेंगे, एक सुंदर ज्योति,
यह वहां से जहां अनुग्रह की ओस की बूंदे चमक रही है;
हमारे चारों ओर चमक रहे हैं, सारे दिन और रात,
यीशु, ज्योति है...

176 अब यह कितना सुंदर है? ऐसा लगता है कि हम समाप्त नहीं कर सकते। पवित्र आत्मा हमें पकड़े हुए है! क्या आप ऐसा अनुभव नहीं करते? ऐसा अनुभव हो रहा है... ? ... जैसे कि मैं समाप्त नहीं कर सकता।

सुसमाचार लहू के साथ टपक रहा है,
प्रेरितो का लहू जो सत्य के लिए मर गए,
पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक रहा है।

इस पवित्र आत्मा की योजना के लिए पहलौटे को मरना था,
क्या यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, परंतु वह एक मनुष्य के समान मरा;
तब प्रभु यीशु आया, उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया,
उसने प्रचार किया कि आत्मा मनुष्य को पाप से बचाएगा।

वहां पतरस पौलुस, और यूहन्ना दिव्य,
उन्होंने अपना जीवन दे दिया ताकि यह सुसमाचार चमके;
उन्होंने पुराने भविष्यवक्ताओं के समान, अपना लहू मिला दिया,
ताकि परमेश्वर का सच्चा वचन ईमानदारी से बताया जा सके।

तब उन्होंने स्तफनूस को पत्थरवाह किया, उसने पाप के विरोध में प्रचार किया,
उसने उन्हें इतना क्रोधित कर दिया, उन्होंने उसका सिर देकर मारा;
परंतु वह आत्मा में मरा, उसने अपना आत्मा छोड़ दिया,
और दूसरों के साथ मिलने के लिए चला गया, वे जीवन देने वाले।

यह लोगों के साथ टपकता रहा, जी हां, यह लहू के साथ टपक रहा है,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ बह रहा है,
प्रेरितो का लहू जो सत्य के लिए मरे,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार निरंतर लहू के साथ टपक रहा है।

सुनिए!

वहां वेदी के नीचे प्राण है, वे चिल्ला रहे हैं, "और कितनी देर? "
क्योंकि प्रभु को उन्हे दंड देना है जिन्होंने गलत किया है;
परंतु ऐसे बहुत है जो अपने जीवन का लहू देंगे
क्योंकि पवित्र आत्मा का सुसमाचार गाढे रंग के बाढ़ के साथ।

इस लहू को टपकाता रखता है हाल्लेलुय्या, यह लहू के साथ टपक रहा है,

मैं उनमें से एक होना चाहता हूं।

पवित्र आत्मा का सुसमाचार, यह लहू के साथ टपक रहा है,
प्रेरितों का लहू जो सत्य के लिए मर गये,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक रहा है।

177 मैं सीधा प्रचार मंच पर से जाना चाहता हूं। आमीन। ओह, कितना अद्भुत है! मेरे भाइयों ने अपने जीवन का लहू दे दिया। अभी और भी है जो यही कार्य करेंगे। चिंता ना कीजिए। इसका बहुत जल्द ही प्रदर्शन होने वाला है। आप या तो भीतर जाएंगे या बाहर। वे सब अब गिर्जो की सभा के साथ मिलने जा रहे हैं, और सब उस में जा रहे हैं। वे सब एक दूसरे के साथ मिल रहे है।

और बहुत से और हैं जो अपने जीवन का लहू देने जा रहे है,
इस पवित्र आत्मा के सुसमाचार के लिए और इस शुद्ध करने वाली बाढ के लिए।

यह लहू के साथ टपक रहा है, जी हां, ये टपक रहा है, (ओह, हाल्लेलुय्या!)
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक रहा है,
चेलो का लहू जो सच्चाई के लिए मर गए,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार, यह लहू के साथ टपक रहा है।

178 ओह! प्रभु मुझे ऐसा लग रहा है जैसे रेपचर कलीसिया के ऊपर है। ओह, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है! सारे पाप लहू के नीचे हैं। देखिए, पवित्र आत्मा वचन को पसंद करता है। वचन वह है जो कि पवित्र आत्मा खाता है, समझे। ओह, प्रभु! यह नीचे आकर लोगों के मध्य में हो जाता है, उनको पापों से शुद्ध करता है, उनके रोगो को ले लेता है, उनके दबी आत्मा को ले लेता है। अब मैं पीये हूं, केवल पीये हूं जितने हो सकती है, पवित्र आत्मा में प्रेम में मेरा ह्रदय उभर रहा है। कोई चिंता नहीं किसी ने कभी क्या किया था, वह क्षमा हो गया।आपका कट्टर शत्रु, अब समाप्त हो गया। किसी ने कभी कोई बात की हो या कुछ हो रहा हो, यदि मैं... ठीक है, मैं... जो कि अब सब चला गया, अब सब शुद्ध हो गया।

यह लहू के साथ टपक रहा है, जी हां, यह लोगों के साथ टपक है,
पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक रहा है,

प्रेरितो का लहू जो कि सत्य के लिए मरा,
पवित्र आत्मा का सुसमाचार...

ओह, प्रभु! कितना अद्भुत है!

आपके लिए कितना अद्भुत समय है,
मेरे लिए कितना अद्भुत समय है;
यदि हम सब यीशु हमारे राजा से मिलने के लिए तैय्यार है,
कितना अद्भुत समय होगा।

आपके लिए अद्भुत समय,
एक अद्भुत समय मेरे लिए;
यदि हम सब यीशु से मिलने के लिए तैय्यार हैं हमारा राजा,
कितना अद्भुत समय होगा।

आपको पसंद है यह? हर एक जन, आइए!

ओह, अद्भुत समय आपके लिए,
अद्भुत समय मेरे लिए;
यदि हम सब यीशु हमारे राजा से मिलने के लिए तैयार है,
कितना अद्भुत समय होगा

179 मुझे पुराने चलन की बेदारी का अनुभव इस कलीसिया में हो रहा है। क्या आपको नहीं? बस एक पुरानी शुद्धता बढ़ती जा रही है; भला, पुराना अद्भुत समय। क्या आपको अच्छा नहीं लग रहा है? ओह!

मैं उसकी महिमा करूंगा, मैं उसकी महिमा करूंगा,
मेमने की महिमा करो, क्योंकि पापियों के लिए वध हुआ है।

अब हम में से प्रत्येक गाये। आप जानते हैं? मैं जानता हूं। यहां आये; भाई नेविल, इसकी अगुवाई में आप मेरी सहायता करें। अब सब, एक साथ, अपने हाथों को उठाए, अब मेरे साथ गाये, अब, इस।

मेमने की महिमा करें क्योंकि पापियों के लिए वध हुआ;
उसको महिमा दे, तुम सब लोग,
क्योंकि उसका लहू हर धब्बे को धो डालता है।

180 अब, हर कोई आए!

मैं उसकी महिमा करूंगा, मैं उसकी महिमा करूंगा,
मेमने की महिमा करो क्योंकि पापियों के लिए वध हुआ;
तुम सब लोगों उसकी महिमा करो,
क्योंकि उसके लहू ने हर धब्बे को धो दिया है।

आमीन। यह अद्भुत है?

मोति सा सफ़ेद नगर,
मेरे पास एक महल, एक वीणा, और एक ताज है;
अब मैं प्रतीक्षा कर रहा हूं, देख रहा हूं और प्रार्थना कर रहा हूं,
क्योंकि सफ़ेद नगर को यूहन्ना ने नीचे आते देखा।

181 आमीन। बहुत ही अद्भुत! ओह! अब आइए हम अपने पैरों पर खड़े हो जाए, सब। मुझे आशा है आपको अच्छा अनुभव हो रहा है। आज रात्रि की सभाओं को स्मरण रखें। अब हम अपना पुराना विसर्जन वाला गीत गाना चाहेंगे।

यीशु के नाम में झुकते है,
उसके चरणों में झुकते हैं,
स्वर्ग में राजाओं का राजा, हम उसे ताज पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाए।

ठीक है। अब हर एक, एक साथ। ठीक है।

यीशु के नाम में झुकते हैं,
उसके चरणों में झुकते हैं,
स्वर्ग में राजाओं के राजा हम उसे ताज पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो।

कीमती नाम (कीमती नाम), ओह कितना मीठा! (ओह
कितना मीठा!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
किमती नाम (कीमती नाम), ओह कितना मीठा! (ओह
कितना मीठा!)
धरती की आशा स्वर्ग का आनंद।

182 कितनी शानदार प्रात: है! कितना अद्भुत समय है! अब आईये अपने सिरो को एक क्षण के लिए झुकाये। अब प्रत्येक सीधा मसीह की ओर देखें, आपका बचाने वाला। एक शांति के मार्ग से, मैं चाहता हूं कि आप उसके धन्यवाद और महिमा दे। कहे, "प्रभु, मैं आपका बहुत धन्यवादित हूं कि आपने मेरे प्राण को पवित्र किया है। मैं आपका बहुत धन्यवादित हूं कि आपने मेरे लिए यह सब किया है। अब मेरा आत्मा सारे दिन मुझ पर हो, प्रभु। मेरी अगुवाई करे। मुझे निर्देशित करें। मुझे आशीषित करें।" परमेश्वर आपको यह आशीष प्रदान करें, यह मेरी प्रार्थना है।

अब जब हम अपने सिरों को प्रार्थना में झुकाए हुए हैं, भाई नेविल, आप प्रार्थना के द्वारा हम सब को विसर्जित करेंगे।

भरमाने वाली आत्मायें HIN55-0724

(Enticing Spirits)

प्रेत शास्त्र श्रृंखला

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 24 जुलाई, 1955 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविल, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org